Drishti IAS

करेंट अफेयर्स छत्तीसगढ़

अगस्त (संग्रह)

2023

Drishti, 641, First Floor, Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry (English): 8010440440, Inquiry (Hindi): 8750187501
Email: help@groupdrishti.in

अनुक्रम

- न्यायमूर्ति दीपक कुमार तिवारी बने बिलासपुर हाईकोर्ट के स्थाई जज चीफ जस्टिस 3
- टाटा टेक्नोलॉजीस और तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग के बीच एमओयू 4
- किशोर न्याय अधिनियम के तहत 'छत्तीसगढ़ बाल कोष' गठित 5
- छत्तीसगढ़ की दृष्टिबाधित एथलीट ईश्वरी ने एशियन पैरा एथलेटिक्स के लिये किया क्वालीफाई 6
- वसुंधरा सम्मान से सम्मानित होंगे वरिष्ठ पत्रकार-लेखक सुधीर सक्सेना 6
- प्रधानमंत्री ने 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास कार्यों का किया वर्चुअल शिलान्यास 7
- सुब्रतो मुखर्जी कप में बस्तर ज़ोन बना ओवर आल चैंपियनशिप 8
- सैलानियों को जल्द मिलेगी 'तांदुला इको फ्रेंडली टूरिज़्म पार्क'की सौगात 9
- मुख्यमंत्री ने सेहत बाज़ार'मिलेट्स कैफे का शुभारंभ किया 9
- मुख्यमंत्री ने कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान की 15 गुफाओं पर आधारित कॉफी टेबल बुक का किया विमोचन 11
- छत्तीसगढ़ बना देश का पहला राज्य, जहाँ तैयार की गई आंगनबाड़ी एवं बालवाड़ी गतिविधि आधारित पुस्तिका 12
- मुख्यमंत्री ने 93 करोड़ 61 लाख 75 हज़ार रुपए की लागत के 112 विकास कार्यों का किया लोकार्पण एवं भूमिपूजन 12
- छत्तीसगढ़ के तीन इंस्पेक्टरों को मिलेगा यूनियन होम मिनिस्टर मेडल 14
- विश्व हाथी दिवस पर 'गज गौरव'राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित हुए छत्तीसगढ़ से वनरक्षक दीपक शर्मा एवं गजयात्रा टीम 14
- गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ के 5 साल : अच्छी योजनाएँ, बेहतर सूचकांक 16
- मुख्यमंत्री ने नरैय्या तालाब में रजक गुड़ी, शहरी औद्योगिक पार्क का किया शुभारंभ 16
- प्रदेश के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिये राज्य योजना आयोग बनाएगा विकेंद्रीकृत वार्षिक ज़िला योजना 17
- मुख्यमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस पर प्रदेशवासियों को दी अनेक महत्त्वपूर्ण सौगात 18
- मुख्यमंत्री ने उत्कृष्ट कार्यो के लिये तीन गौठानों को किया पुरस्कृत 20
- स्वतंत्रता दिवस मुख्य समारोह 2023 : मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों को उत्कृष्ट सेवाओं के लिये किया पुरस्कृत 21
- मिसल बंदोबस्त अब मोबाइल पर : रायपुर ज़िले का ऑनलाइन पोर्टल शुरू 23
- छत्तीसगढ़ देश में मत्स्य बीज उत्पादन में पाँचवें और मत्स्य उत्पादन में छठवें स्थान पर 24
- बस्तर संभाग के युवाओं से भेंट-मुलाकात में मुख्यमंत्री ने युवाओं को दी अनेक सौगात 26
- मुख्यमंत्री ने न्याय योजनाओं के हितग्राहियों को 2055.60 करोड़ रुपए का किया ऑनलाइन भुगतान 29
- मुख्यमंत्री ने 13 नए अनुविभागों और 18 नई तहसीलों का किया वर्चुअल शुभारंभ 30
- अंबिकापुर को मिली इंडोर स्टेडियम और डिजिटल लाइब्रेरी की सौगात 31
- सरगुजा संभाग के प्रथम स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेज़ी माध्यम महाविद्यालय का हुआ लोकार्पण 34
- उप मुख्यमंत्री ने स्वच्छता, और संक्रमण की रोकथाम के लिये उत्कृष्ट कार्य करने वाले 25 आयुष संस्थाओं को दिये पुरस्कार 35
- छत्तीसगढ़ की 'मुख्यमंत्री मितान योजना'को डिजिटल नवाचार के लिये उत्कृष्ट परियोजना हेतु उत्तर प्रदेश सरकार ने किया पुरस्कृत 38
- 'मोर रायपुर ऐप' को मिला नेशनल ई-गवर्नेंस अवॉर्ड 39
- मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने किया 'मतदाता महोत्सव प्रदर्शनी, चिह्नारी लोकतंत्र के', का शुभारंभ 41
- स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेज़ी माध्यम स्कूल के प्राचार्य डॉ. बृजेश पांडेय राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान के लिये चयनित 43
- कौही लिफ्ट इरीगेशन योजना का मुख्यमंत्री ने किया लोकार्पण, 2500 हेक्टेयर में सिंचाई होगी 44
- मुख्यमंत्री ने चंपारण में राम वन गमन पर्यटन परिपथ के निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया 45
- 26वीं अखिल भारतीय वन खेलकूद प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के समस्त विजेता खिलाड़ियों को वन मंत्री ने किया पुरस्कृत 48
- इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय को मिला 'राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार, 2023' (स्वर्ण) 50

नोट :

छत्तीसगढ़

न्यायमूर्ति दीपक कुमार तिवारी बने बिलासपुर हाईकोर्ट के स्थाई जज चीफ जस्टिस

चर्चा में क्यों?

31 जुलाई, 2023 को छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा ने छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर में न्यायमूर्ति दीपक कुमार तिवारी को स्थायी जज के रूप में शपथ दिलाई है।

प्रमुख बिंदु

- उल्लेखनीय है कि न्यायमूर्ति दीपक कुमार तिवारी की नियुक्ति 08 अक्तूबर 2021 को एडिशनल जज छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में हुई थी।
- विधि एवं विधायी कार्य विभाग, नई दिल्ली द्वारा 28 जुलाई, 2023 को न्यायमूर्ति दीपक कुमार तिवारी को स्थायी जज के रूप में नियुक्ति संबंधी अधिसूचना जारी की गई थी।
- ज्ञातव्य है कि न्यायमूर्ति दीपक कुमार तिवारी का जन्म 11 जनवरी, 1964 को जगदलपुर (छत्तीसगढ़) में हुआ। इनके पिता स्वर्गीय राम कुमार तिवारी कीट विज्ञानी पद से सेवानिवृत्त हुए थे।
- इन्होंने रायपुर के दुर्गा कॉलेज से बी.कॉम किया, सौ. कुसुम ताई दाबके लॉ कॉलेज, रायपुर छत्तीसगढ़ से एलएलबी किया और एलएलएम छत्तीसगढ़ कॉलेज, रायपुर से किया।

- ये वर्ष 1987 में पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर से संवैधानिक कानून में एलएलएम करने वाले पहले छात्र थे।

नोट :

- न्यायमूर्ति दीपक कुमार तिवारी ने 1990 में सिविल जज, क्लास-2 के रूप में न्यायिक करियर शुरू किया। पहली पोस्टिंग जगदलपुर में हुई। इसके बाद सारंगढ़ में पदस्थ हुए। जांजगीर में सिविल जज, वर्ग-1 के रूप में पदस्थ हुए और उसके बाद सीजेएम राजनांदगांव के रूप में पदस्थ हुए।
- न्यायमूर्ति दीपक कुमार तिवारी ने राजनांदगांव और बालोद में जिला एवं सत्र न्यायाधीश के रूप में सेवाएँ प्रदान कीं और बालोद जिले के प्रथम जिला एवं सत्र न्यायाधीश थे।
- न्यायमूर्ति दीपक कुमार तिवारी ने छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी के अतिरिक्त निदेशक के रूप में भी कार्य किया था।
- इन्होंने छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में अतिरिक्त रजिस्ट्रार (वर्गीकरण), रजिस्ट्रार (निरीक्षण और जाँच) और रजिस्ट्रार सतर्कता के रूप में भी कार्य किया है।

टाटा टेक्नोलॉजीस और तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग के बीच एमओयू

चर्चा में क्यों?

1 अगस्त, 2023 को छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग से मिली जानकारी के अनुसार हाल ही में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की उपस्थिति में राज्य के 36 शासकीय आईटीआई के आधुनिकीकरण के लिये तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग और टाटा टेक्नोलॉजीस के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किये गए।

प्रमुख बिंदु

- लगभग 1188.36 करोड़ रुपए की परियोजना के तहत राज्य के 36 आईटीआई में युवाओं को 6 नई ट्रेडों में तथा 23 शॉर्ट टर्म कोर्स में प्रशिक्षण दिया जाएगा।
- टाटा टेक्नोलॉजीस द्वारा राज्य के चयनित आईटीआई में अत्याधुनिक तकनीकी वर्कशॉप की स्थापना, प्रशिक्षकों की व्यवस्था आदि की जाएगी। इसके अलावा राज्य के युवाओं को प्लेसमेंट देने में टाटा और उनकी सहयोगी कंपनी सहयोग करेगी।
- इस परियोजना से प्रति वर्ष 10 हज़ार से अधिक युवाओं को नये ज़माने के अनुरूप तकनीकी प्रशिक्षण मिलेगा।
- चयनित आई.टी.आई. में युवाओं को आर्टीजन यूजिंग एडवांस टूल, इंडस्ट्री रोबोटिक्स एंड डिजिटल मैन्यूफैचरिंग टेक्नियशियन, मैन्यूफैचरिंग प्रोसेस कंट्रोल एंड ऑटोमेशन ट्रेड में एक वर्षीय प्रशिक्षण तथा एडवांस सी.एन.सी. मशीनिंग, बेसिक डिज़ायनर एंड वर्चुअल वेरिफायर (मेकेनिकल) मैकेनिकल, इलेक्ट्रिक व्हीकल ट्रेड में दो वर्षीय प्रशिक्षण मिलेगा।
- इसके अलावा उद्योगों की जरूरत के अनुसार 23 शॉर्ट टर्म कोर्स में भी प्रशिक्षण की सुविधा होगी।
- चयनित आईटीआई में टाटा टेक्नालॉजीस अत्याधुनिक तकनीकी वर्कशॉप की स्थापना करेगी और प्रशिक्षण कार्य के लिये प्रत्येक आई.टी.आई. में शुरुआत में दो प्रशिक्षकों की नियुक्ति करेगी। प्रशिक्षित युवाओं को प्लेसमेंट देने टाटा और उनकी सहयोगी कंपनियाँ अपना सहयोग देंगी।
- टाटा टेक्नोलॉजीस लिमिटड के सहयोग से जिन आईटीआई का उन्नयन किया जाएगा, उनमें शासकीय आई.टी.आई.-बैकुंठपुर, ओड़गी वाड्रफनगर, मैनपाट, बगीचा, लोरमी, कोनी-बिलासपुर, कोरबा, जांजगीर, अकलतरा, हसौद, रायगढ़, खरसिया, राजनांदगांव, डोंगरगांव, मानपुर, छुईखदान, पण्डरिया, गुंडरदेही, दल्लीराजहरा, गुरूर, दुर्ग, पाटन, धरसींवा, हीरापुर, आरंग, अभनपुर, भाटापारा, सिमगा, बागबाहरा, पिथौरा, कांकेर, अंतागढ़, चारामा, नगरनार एवं दंतेवाड़ा शामिल हैं।
- विदित है कि युवाओं को सही मार्गदर्शन के साथ आधुनिक ट्रेडों में प्रशिक्षण मिल सके, इसके लिये छत्तीसगढ़ सरकार ने औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों को आधुनिक स्वरूप में ढालना शुरू कर दिया है। राज्य सरकार बड़े औद्योगिक संस्थानों के साथ एमओयू कर रही है, ताकि छात्रों को अच्छी ट्रेनिंग मिल सके।
- इसके साथ ही हायर सेकेंडरी स्कूलों में अध्ययनरत छात्र-छात्राएँ, जो व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते हैं, उन छात्रों को 12वीं बोर्ड के प्रमाण-पत्र के साथ-साथ आईटीआई का प्रमाण-पत्र भी दिया जा रहा है।
- राज्य में पहली बार स्कूलों में अध्बयनरत छात्रों को स्कूली स्तर पर उनके तकनीकी रुझान के अनुरूप स्कूली शिक्षा के साथ-साथ रोजगारोन्मुखी व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। स्कूलों एवं आईटीआई के मध्य समन्वय स्थापित कर एकीकृत प्रणाली विकसित की गई है।

नोट :

- इस प्रणाली के तहत प्रदेश के अधिकांश आईटीआई में स्कूली छात्रों को व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इस प्रणाली के अंतर्गत जहाँ स्कूली छात्र अपनी पढ़ाई पूरी कर उसका प्रमाण-पत्र प्राप्त कर सकेंगे, वहीं इसके साथ साथ व्यावसायिक प्रशिक्षण पूर्ण कर आईटीआई का प्रमाण-पत्र भी प्राप्त करेंगे और रोज़गार प्राप्त करने के लिये तैयार हो सकेंगे।

किशोर न्याय अधिनियम के तहत 'छत्तीसगढ़ बाल कोष' गठित

चर्चा में क्यों ?

2 अगस्त, 2023 को छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग से मिली जानकारी के अनुसार किशोर न्याय निधि के प्रावधान अनुसार राज्य में बच्चों के सर्वोत्तम हित में 'छत्तीसगढ़ बाल कोष' का गठन किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- छत्तीसगढ़ बाल कोष में बालकों के कल्याण और पुनर्वास के लिये दान, अनुदान, अंशदान के माध्यम से सहयोग राशि दी जा सकती है।
- इस राशि का उपयोग किशोर न्याय (बालकों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम, 2015 के प्रावधानों के तहत आने वाले बच्चों की शिक्षा-दीक्षा, पुनर्वास जैसे उनके सर्वोत्तम हित में खर्च करने हेतु किया जाएगा।
- राज्य सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ बाल कोष के क्रियान्वयन के संबंध में सभी कलेक्टरों और ज़िला बाल कल्याण एवं संरक्षण समितियों को अधिसूचना दिनांक 23 मार्च, 2022 के माध्यम से विस्तृत दिशा निर्देश जारी किये गए हैं।
- राज्य सरकार के महिला एवं बाल विकास द्वारा बच्चों के हित के लिये दान, अनुदान, अंशदान प्राप्त करने हेतु राज्य स्तर पर आईसीआईसी बैंक में खाता संख्या 251501000259, आईएफएसआई संख्या ICICI0002515 का संचालन किया जा रहा है।
- इस कोष में किसी व्यक्ति, समूह, संस्था [(जिसमें स्वयंसेवी संस्था, संगठन, गैर-सरकारी संस्था, ट्रस्ट आदि, कॉर्पोरेट्स (निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर)] द्वारा स्वैच्छिक रूप से दान, अंशदान, अनुदान दिया जा सकता है।
- इसके साथ ही छत्तीसगढ़ बाल कोष में उद्योगपति, प्रबुद्ध व्यक्ति, सरकारी, गैर-सरकारी कर्मचारी और व्यापारी भी स्वैच्छिक दान, अंशदान, अनुदान कर सहयोग कर सकते हैं।

छत्तीसगढ़ की दृष्टिबाधित एथलीट ईश्वरी ने एशियन पैरा एथलेटिक्स के लिये किया क्वालीफाई

चर्चा में क्यों?

3 अगस्त, 2023 को छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग से मिली जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ के महासमुंद ज़िले की दृष्टिबाधित एथलीट कु. ईश्वरी निषाद ने चाईना के हांगझू में आगामी 22 अक्टूबर से आयोजित होने वाले एशियन पैरा एथलेटिक्स खेल के लिये क्वालीफाई किया है।

प्रमुख बिंदु

- ईश्वरी निषाद छत्तीसगढ़ की पहली ऐसी दृष्टिबाधित एथलीट हैं, जिन्होंने लगातार राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता है। ईश्वरी निषाद की खेल प्रतिभा को देखकर छत्तीसगढ़ शासन उन्हें राज्य स्तर के सम्मान से सम्मानित भी कर चुका है।
- विदित है कि ईश्वरी निषाद ने 25 व 26 जुलाई, 2023 को नेहरू स्टेडियम नई दिल्ली में आयोजित फाइनल सेलेक्शन पैरा एथलेटिक्स एशियन गेम ट्रायल में भाग लिया। वह 200 मीटर की दौड़ में भारत में प्रथम स्थान पर और एशियन रैंक में 5वें स्थान पर रहीं। साथ ही वह 400 मीटर दौड़ में दूसरा स्थान प्राप्त करते हुए एशियन रैंक में 7वें स्थान पर रहीं।
- कुमारी ईश्वरी फॉर्चुन नेत्रहीन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करमापटपर (बागबाहरा) की पूर्व छात्रा रही हैं। इसी दौरान उन्होंने पैरा एथलेटिक्स खेलों में भाग लेना शुरू किया था।

वसुंधरा सम्मान से सम्मानित होंगे वरिष्ठ पत्रकार-लेखक सुधीर सक्सेना

चर्चा में क्यों?

3 अगस्त, 2023 को छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग से मिली जानकारी के अनुसार स्वर्गीय देवीप्रसाद चौबे की स्मृति में स्थापित एवं लोकजागरण के लिये प्रदत्त वसुंधरा सम्मान इस वर्ष वरिष्ठ पत्रकार-लेखक सुधीर सक्सेना को प्रदान किया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- वसुंधरा सम्मान का यह निरंतर 23वाँ आयोजन होगा। सम्मान समारोह स्वर्गीय देवीप्रसाद चौबे की 47वीं पुण्यतिथि के अवसर पर 14 अगस्त, 2023 को मुख्यमंत्री निवास, रायपुर में आयोजित होगा। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सुधीर सक्सेना को वसुंधरा सम्मान से सम्मानित करेंगे।
- पत्रकार दिवाकर मुक्तिबोध की अध्यक्षता में गठित निर्णायक समिति के सदस्यों सर्वश्री गिरीश पंकज, ई.वी.मुरली, समीर दीवान, राजेश

गनोदवाले, राघवेंद्र प्रताप सिंह, वसुंधरा सम्मान के संयोजक विनोद मिश्र, आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. अरुण कुमार श्रीवास्तव, सचिव मुमताज ने संयुक्त रूप से इस निर्णय की जानकारी दी है।

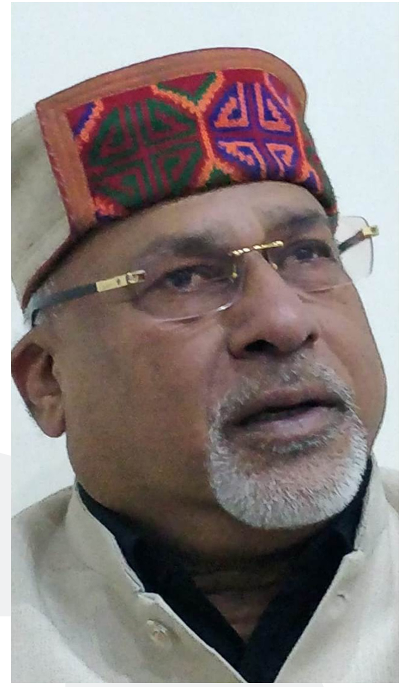

- निर्णायक समिति से मिली जानकारी के अनुसार सुधीर सक्सेना राष्ट्रीय ख्याति के पत्रकार हैं, जिनका छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश की पत्रकारिता में महत्त्वपूर्ण योगदान है।
- 1978 से लेकर आजपर्यंत तक उन्होंने धर्मयुग, दिनमान, रविवार, कल्पना, संडे ऑब्जर्वर, जनसत्ता, नवभारत टाइम्स, अमर उजाला, दैनिक जागरण, दैनिक भास्कर, नवभारत, नईदुनिया, पत्रिका, देशबंधु, माया, वागर्थ, पहल, बहुमत, अक्षर पर्व, समकालीन भारतीय साहित्य, बहुवचन आदि अनेक पत्र-पत्रिकाओं में विपुल लेखन किया है।
- सुधीर सक्सेना के 14 कविता संग्रह, वैदेशिक एवं भारतीय भाषाओं में अनुवाद की 11 पुस्तकें, कथेतर गद्य की अन्य 18 पुस्तकें प्रकाशित हैं।
- उन्होंने छत्तीसगढ़ में गांधी, मध्य प्रदेश में आज़ादी की लड़ाई और आदिवासी, भूमकाल, छत्तीसगढ़ में मुक्तिसंग्राम और आदिवासी, गुंडाधुर एक योद्धा जैसी पुस्तकों के माध्यम से छत्तीसगढ़ की सामाजिक-राजनीतिक पृष्ठभूमि पर महत्त्वपूर्ण लेखन किया है।
- वे माधवराव सप्रे पुरस्कार, पुश्किन सम्मान, वागीश्वरी सम्मान, प्रमोद वर्मा सम्मान, शमशेर सम्मान जैसे अनेक प्रतिष्ठित सम्मानों से सम्मानित हो चुके हैं। इन दिनों वे पाक्षिक पत्रिका 'दुनिया इन दिनों'का संपादन कर रहे हैं।
- विगत वर्षों में वसुंधरा सम्मान से स्वर्गीय रमेश नैयर, स्वर्गीय श्यामलाल चतुर्वेदी, स्वर्गीय कुमार साहू, स्वर्गीय बसंत कुमार तिवारी, स्वर्गीय विनोद शंकर शुक्ल, स्वर्गीय शरद कोठारी, स्वर्गीय बबन प्रसाद मिश्र, डॉ. हिमांशु द्विवेदी, दिवाकर मुक्तिबोध, आशा शुक्ला, गिरिजाशंकर, ज्ञान अवस्थी, श्याम वेताल, अभय किशोर, डॉ. सुशील त्रिवेदी, गिरीश पंकज, बी. के. एस. रे, प्रकाश दुबे, स्वर्गीय तुषार कांति बोस, ई. वी. मुरली, सतीश जायसवाल और लीलाधर मंडलोई को सम्मानित किया जा चुका है।

प्रधानमंत्री ने 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास कार्यों का किया वर्चुअल शिलान्यास

चर्चा में क्यों ?

6 अगस्त, 2023 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देश के 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास कार्यों का शिलान्यास वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया। इनमें छत्तीसगढ़ के 7 रेलवे स्टेशन रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, तिल्दा-नेवरा, अकलतरा, भिलाई पावर हाउस और महासमुंद शामिल हैं।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- गौरतलब है कि इस महत्त्वाकांक्षी अमृत भारत स्टेशन योजना में छत्तीसगढ़ के कुल 32 रेलवे स्टेशन को शामिल किया गया है। इन स्टेशनों के पुनर्विकास में 1660 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा।
- प्रधानमंत्री के इस शिलान्यास कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के राज्यपाल विश्व भूषण हरिचंदन शामिल हुए। उन्होंने रेलवे स्टेशनों के विकास के लिये तैयार मॉडल का अवलोकन भी किया।
- उल्लेखनीय है कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित की जाने वाले इन स्टेशनों पर वाइड कॉनकोर्स, फुट ओवर ब्रिज, लिफ्ट, एस्केलेटर, वेटिंग रूम, वाणिज्यिक क्षेत्र और रिटेल काउंटर आदि जैसी आधुनिक सुविधाएँ प्रदान की जाएंगी।
- योजना में मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट की परिकल्पना की गई है। अन्य छोटे स्टेशनों पर भी यात्री सुविधाओं का उन्नयन किया जाएगा और उन्हें चौड़े एफओबी, अग्रभाग सुधार, प्रतीक्षा क्षेत्र, लिफ्ट, एस्केलेटर आदि जैसी सुविधाएँ प्रदान की जाएंगी।

सुब्रतो मुखर्जी कप में बस्तर ज़ोन बना ओवर आल चैंपियनशिप

चर्चा में क्यों ?

6 अगस्त, 2023 को 23वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के तहत जगदलपुर में आयोजित सुब्रतो मुखर्जी कप फुटबॉल प्रतियोगिता में बस्तर जोन ने तीन वर्गों में प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए ओवर आल चैंपियनशिप पर कब्ज़ा किया।

प्रमुख बिंदु

- संसदीय सचिव रेखचंद जैन ने 23वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के तहत जगदलपुर में आयोजित सुब्रतो मुखर्जी कप फुटबॉल के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किया।
- चार दिवसीय इस फुटबॉल प्रतियोगिता में 14, 17 वर्षीय बालक और 17 वर्षीय बालिका तीन वर्ग में बस्तर जोन में प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए ओवर ऑल चैंपियनशिप जीता। दूसरा स्थान सरगुजा जोन और तीसरा स्थान दुर्ग जोन ने प्राप्त किये।
- गौरतलब है कि बस्तर संभाग की टीम इस महीने के अंत में दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय सुब्रतो मुखर्जी कप फुटबॉल प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ राज्य का प्रतिनिधित्व करेगी।

नोट :

सैलानियों को जल्द मिलेगी 'तांदुला इको फ्रेंडली टूरिज़्म पार्क'की सौगात

चर्चा में क्यों ?

5 अगस्त, 2023 को छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार संयुक्त ज़िला कार्यालय बालोद के समीप आदमाबाद में निर्माणाधीन 'तांदुला इको फ्रेंडली टूरिज़्म पार्क'का निर्माण कार्य लगभग पूर्णता की ओर है। जल्द ही सैलानियों को इस पार्क की सौगात मिलने वाली है।

प्रमुख बिंदु

- प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण छत्तीसगढ़ में पर्यटन के विकास के लिये तेजी से निर्माण कार्य किये जा रहे हैं। यहाँ सैलानियों के लिये सुविधाओं सहित सुगम पहुँच का भी ध्यान रखा जा रहा है। इसी कड़ी में बालोद ज़िले की प्रमुख एवं जीवनदायिनी तांदुला नदी में निर्मित तांदुला जलाशय के तट स्थित मनोरम प्राकृतिक वादियों को सैलानियों के लिये विकसित किया जा रहा है।
- उल्लेखनीय है कि आदमाबाद के समीप स्थित तांदुला जलाशय का तट जंगल एवं हरे-भरे वृक्षों से आच्छादित होने तथा बेहतरीन प्राकृतिक परिवेश और जरूरी सुविधाओं से युक्त होने के कारण सैलानियों के लिये आकर्षण का केंद्र रहा है। इस पर्यटन स्थल के विकसित हो जाने से बड़ी संख्या में सैलानियों के आकर्षण का केंद्र बनेगा।
- पार्क के सामने आकर्षक मुख्य द्वार का निर्माण किया जा रहा है। यहाँ पर्यटकों के रुकने के लिये कॉटेज, मचान, टेंट हाउस के अतिरिक्त रेस्टोरेंट, वाटर बॉडी, बुद्धा स्टेच्यू, गार्डन आदि निर्माण कार्य किया जा रहा है। यहाँ चंपा के फूलों के अलावा फलदार पौधों का रोपण भी कराया जा रहा है।
- तांदुला जलाशय पर्यटन स्थल को आकर्षक एवं सुसज्जित बनाया जा रहा है, जिससे कि छत्तीसगढ़ के साथ-साथ अन्य राज्यों से भी पर्यटक यहाँ आएँ। पर्यटन स्थल में विभिन्न स्टॉल भी स्थापित किये जाएंगे। इससे स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर भी मिल सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने सेहत बाज़ार'मिलेट्स कैफे का शुभारंभ किया

चर्चा में क्यों ?

8 अगस्त, 2023 को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राज्य के जगदलपुर में दलपत सागर के सामने नव-निर्मित 'सेहत बाज़ार'मिलेट्स कैफे का शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री ने कैफे संचालक महिलाओं से चर्चा कर मिलेट्स से बने उत्पादों की सराहना की और उन्हें शुभकामना स्वरूप 5 हज़ार रुपए की राशि प्रदान की।
- सेहत बाज़ार का संचालन मॉम्स फूड संस्था जगदलपुर द्वारा किया जा रहा है। इस कैफे में ज़रूरतमंद महिलाएँ, जो पूर्व में टिफिन बनाने का कार्य करती थी, उनके द्वारा संचालन किया जाएगा।

- इस कैफे में रागी चीला, रागी डोसा, रागी इडली, रागी उपमा, रागी पकौड़ा, रागी पूरी, रागी खिचड़ी, महुआ चाय, काढ़ा चाय इत्यादि पौष्टिक खाद्य सामग्री की सुविधा उपलब्ध होगी। लोगों के लिये यहाँ स्वाद और पौष्टिकता से भरपूर व्यंजनों की सुविधा भी उपलब्ध होगी।
- उल्लेखनीय है कि प्रदेश में आदिवासी इलाकों में मोटे अनाज, जैसे- रागी, कोदो, कुटकी का पहले से ही प्रयोग किया जाता रहा है। यह स्वास्थ्य की दृष्टि से बहुत फायदेमंद है, इसलिये अब दूसरे इलाकों में भी इन अनाज का काफी इस्तेमाल किया जा रहा है।
- इन मिलेट्स में पोषक तत्त्वों भी होते हैं, जो स्वास्थ्य के लिये बहुत लाभप्रद होते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार कोदो, कुटकी और रागी को प्रोटीन एवं विटामिन युक्त अनाज माना गया है। इसके सेवन से शुगर, बीपी जैसे रोगों में लाभ मिलता है।
- सरगुजा और बस्तर की आदिवासी संस्कृति एवं खानपान में कोदो, कुटकी, रागी जैसी फसलों का महत्त्वपूर्ण स्थान है। मोटे अनाजों में कुटकी में आयरन एन्टीऑक्सीडेंट गुण होते हैं। यह एनीमिया रोगी के लिये भी लाभदायक होता है तथा इसके सेवन से मोटापा नहीं होता।
- मोटे अनाज कोदो की विशेषता है कि यह पेट में नमी बनाए रखता है। इससे ब्लड सरकुलेशन बेहतर होता है तथा इसके सेवन से कैंसर की संभावना कम हो जाती है।
- रागी कैल्सियम और आयरन से भरपूर होता है। यह मधुमेह एवं एनीमिया रोगी के लिये लाभकारी होता है।
- ज्ञातव्य है कि छत्तीसगढ़ देश का इकलौता राज्य है, जहाँ कोदो, कुटकी और रागी की समर्थन मूल्य पर खरीदी के साथ-साथ इसके वैल्यू एडिशन का काम भी किया जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा कोदो-कुटकी की खरीदी समर्थन मूल्य पर 3 हज़ार रुपए प्रति क्विंटल तथा रागी की खरीदी 3 हज़ार 377 रुपए प्रति क्विंटल तय की गई है।
- विदित है कि राज्य में मिलेट की खेती को प्रोत्साहन, किसानों को प्रशिक्षण, उच्च क्वालिटी के बीज की उपलब्धता तथा उत्पादकता में वृद्धि के लिये मिलेट मिशन के अंतर्गत 14 ज़िलों हेतु आईआईएमआर हैदराबाद के साथ छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ के प्रयास से त्रिपक्षीय एमओयू भी किया गया है, ताकि मिलेट की उत्पादकता को दोगुना किया जा सके।
- मिलेट्स की खेती को बढ़ावा देने के कारण छत्तीसगढ़ राज्य को राष्ट्रीय स्तर का पोषक अनाज अवॉर्ड 2022 सम्मान प्राप्त हो चुका है।

नोट :

मुख्यमंत्री ने कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान की 15 गुफाओं पर आधारित कॉफी टेबल बुक का किया विमोचन

चर्चा में क्यों?

9 अगस्त, 2023 को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राज्य के बस्तर ज़िले में विश्व आदिवासी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान की 15 गुफाओं पर आधारित कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया।

प्रमुख बिंदु

- विदित है कि कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान जैव विविधता व प्राकृतिक धरोहर का अनोखा खजाना है, जो जैव विविधता, स्थानीय आदिवादी संस्कृति के साथ-साथ लाइमस्टोन की गुफाओं के लिये देश-विदेश में जाना जाता है।
- कांगेर घाटी में पाई जाने वाली लाइमस्टोन की गुफाएँ राष्ट्रीय उद्यान को अप्रतिम बनाती हैं। इसी अनुक्रम में राष्ट्रीय उद्यान द्वारा स्थानीय जियोलॉजी विभाग के विशेषज्ञ, मैदानी अमला और स्थानीय समुदाय की सहायता से अब तक कुल 15 गुफाओं की खोज की गई है।
- इसी कड़ी में पर्यटकों को राष्ट्रीय उद्यान में स्थित इन 15 गुफाओं की सुंदरता और विशेषताओं के बारे में बताने हेतु यह कॉफी टेबल बुक तैयार की गई है।
- राष्ट्रीय उद्यान निदेशक धम्मशील गणवीर ने बताया कि इस कॉफी टेबल बुक के माध्यम से देश-विदेश में राष्ट्रीय उद्यान के प्रचार-प्रसार एवं राष्ट्रीय उद्यान की प्राकृतिक धरोहर को सुरक्षित करने में सहायता मिलेंगी।

नोट :

छत्तीसगढ़ बना देश का पहला राज्य, जहाँ तैयार की गई आंगनबाड़ी एवं बालवाड़ी गतिविधि आधारित पुस्तिका

चर्चा में क्यों?

10 अगस्त, 2023 को छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा मंत्री रविंद्र चौबे ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन की दिशा में राज्य ने अभूतपूर्व कार्य करते हुए बालवाड़ी एवं आंगनवाड़ी के बच्चों के लिये गतिविधि पुस्तिका एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओ के लिये दैनिक कार्य योजना का निर्माण किया है। पूरे देश में छत्तीसगढ़ पहला राज्य है, जिसने इस क्षेत्र में पुस्तिका का निर्माण किया है।

प्रमुख बिंदु

- यह पुस्तिका राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में ईसीसीई के अनुरूप यूनिसेफ के सहयोग से 03 से 06 वर्ष के बच्चो के लिये तैयार की गई है, जिसके लिये एससीईआरटी की विशेषज्ञ टीम द्वारा पिछले एक वर्ष से लगातार इसमें मेहनत की गई है।
- कार्यक्रम में संचालक एससीईआरटी राजेश सिंह राणा द्वारा इस पुस्तिका के निर्माण, महत्त्व और आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए आगे की कार्य योजना बताई गई।
- इस अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री ने इस पुस्तिका को राज्य के छोटे बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिये नितांत आवश्यक एवं महत्त्वपूर्ण बताया। इससे शिक्षा की नींव मज़बूत होगी, जिसका लाभ भविष्य में देखने को मिलेगा।
- इस अवसर पर खिलौना आधारित शिक्षण शास्त्र पर खिलौना प्रदर्शनी भी लगाई गई।

मुख्यमंत्री ने 93 करोड़ 61 लाख 75 हज़ार रुपए की लागत के 112 विकास कार्यों का किया लोकार्पण एवं भूमिपूजन

चर्चा में क्यों?

10 अगस्त, 2023 को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेश के राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम डुमरडीहकला में आयोजित किसान-मजदूर सम्मेलन कार्यक्रम में 93 करोड़ 61 लाख 75 हज़ार रुपए की लागत के 112 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया।

प्रमुख बिंदु

- इनमें 57 करोड़ 37 लाख 78 हज़ार रुपए की लागत के 98 विकास कार्यों का भूमिपूजन तथा 36 करोड़ 23 लाख 97 हज़ार रुपए की लागत के 14 विकास कार्यों का लोकार्पण शामिल है।

- मुख्यमंत्री द्वारा शासन की संचालित विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत 538 हितग्राहियों को 1 करोड़ 16 लाख 15 हज़ार रुपए की सामग्री का वितरण भी किया गया।
- कार्यक्रम में ज़िला पंचायत विभाग के अंतर्गत 1 करोड़ 91 लाख रुपए की लागत के 71 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया।
- इसी तरह कार्यपालन अभियंता जल संसाधन संभाग राजनांदगांव के अंतर्गत 20 करोड़ 91 लाख 52 हज़ार रुपए की लागत के 2 विकास कार्य, कार्यपालन अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग के अंतर्गत 40 लाख 40 हज़ार रुपए की लागत के 2 विकास कार्य, सीजीएमएससी राजनांदगांव अंतर्गत 6 करोड़ 86 लाख 84 हज़ार रुपए की लागत के 16 विकास कार्य तथा कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत 27 करोड़ 28 लाख 2 हज़ार रुपए की लागत के 7 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया।
- जनपद पंचायत राजनांदगांव के अंतर्गत 25 लाख 86 हज़ार रुपए की लागत के 4 विकास कार्यों, कार्यपालन अभियंता सेतु निर्माण राजनांदगांव के अंतर्गत 23 करोड़ 61 लाख 27 हज़ार रुपए की लागत के 4 विकास कार्य, सीजीएमएससी राजनांदगांव के अंतर्गत 1 करोड़ 76 लाख 64 हज़ार रुपए की लागत के 5 विकास कार्य एवं कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत 10 करोड़ 60 लाख 20 हज़ार रुपए की लागत के 1 विकास कार्य का लोकार्पण किया गया।
- मुख्यमंत्री ने मछली पालन विभाग के अंतर्गत 4 हितग्राहियों को 32 हज़ार रुपए के आईस बॉक्स व मछली जाल, कृषि विभाग के 6 हितग्राहियों को 63 हज़ार 933 रुपए की लागत के बैटरी स्प्रेयर, पावर स्प्रेयर, विद्युत पंप तथा डीजल पंप वितरण किया।
- इसी तरह श्रम विभाग के अंतर्गत मिनीमाता महतारी जतन योजना से लाभान्वित 312 हितग्राहियों को 62 लाख 40 हज़ार रुपए, नोनी सशक्तीकरण योजना से लाभान्वित 160 हितग्राहियों को 32 लाख रुपए का ऋण प्रदान किया।
- इनके अलावा सियान सहायता योजना से लाभान्वित 44 हितग्राहियों को 8 लाख 80 हज़ार रुपए, श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना से लाभान्वित 10 हितग्राहियों को 10 लाख रुपए तथा मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना से लाभान्वित 1 हितग्राही को 1 लाख रुपए का चेक वितरण किया।
- महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत स्वसहायता समूह को 1 लाख रुपए का ऋण प्रदान किया गया।
- इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी ठाकुर प्यारे लाल सिंह की जीवनी पर आधारित 'त्यागमूर्ति' स्मृति पुस्तक का विमोचन भी किया।

नोट :

छत्तीसगढ़ के तीन इंस्पेक्टरों को मिलेगा यूनियन होम मिनिस्टर मेडल

चर्चा में क्यों?

12 अगस्त, 2023 को छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार राज्य के तीन पुलिस अधिकारियों को एक्सीलेंस इनवेस्टिगेशन के लिये साल 2023 का यूनियन होम मिनिस्टर मेडल दिये जाने की घोषणा की गई है।

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में पुलिस कर्मियों को बेहतर सुविधाएँ मिल रही हैं। राज्य में पुलिस कर्मियों को आधुनिक प्रशिक्षण के साथ-साथ साइबर अपराधों को रोकने के लिये प्रशिक्षित किया जा रहा है।
- नए पुलिस थाने के साथ ही इन थानों में महिला सेल, पुलिसकर्मियों को आवास सहित अन्य सुविधाएँ दी जा रही हैं, इससे पुलिस कर्मियों को अपने दायित्वों के निर्वहन में आसानी हो रही है।
- यूनियन होम मिनिस्टर मेडल के लिये चयनित पुलिसकर्मियों में सब-इंस्पेक्टर सुश्री नीता राजपूत, सब-इंस्पेक्टर आशीर्वाद रहटगांवकर, इंस्पेक्टर नवीन बोरकर शामिल हैं।

विश्व हाथी दिवस पर 'गज गौरव' राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित हुए छत्तीसगढ़ से वनरक्षक दीपक शर्मा एवं गजयात्रा टीम

चर्चा में क्यों?

12 अगस्त, 2023 को विश्व हाथी दिवस के अवसर पर भुवनेश्वर ओडिशा में आयोजित देशव्यापी समारोह में सामान्य वनमंडल महासमुंद में पदस्थ वन रक्षक दीपक शर्मा एवं गजयात्रा की टीम को गज गौरव अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

प्रमुख बिंदु

- केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत सरकार के मंत्री भूपेंद्र यादव, केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री अश्विनी कुमार चौबे तथा ओडिशा के वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री प्रदीप कुमार अमत द्वारा वन रक्षक दीपक शर्मा एवं गजयात्रा की टीम को गज गौरव अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।
- वनमंडल अधिकारी पंकज राजपूत ने बताया कि मानव-हाथी द्वंद्व को रोकने के लिये वनमंत्री की मंशा के अनुरूप, प्रधान मुख्य वन संरक्षक के निर्देशन पर गजयात्रा का शुभारंभ 8 अक्टूबर, 2021 को किया गया था।
- गजयात्रा के माध्यम से प्रतिदिन 3 चरणों में ग्रामीणों को हाथियों से सुरक्षित रहने के उपायों को बता कर जागरूक किया जा रहा है, अब तक लगभग 70 हज़ार लोगों को गजयात्रा के माध्यम से जागरूक किया जा चुका है।
- ज़िले के हाथी प्रभावित क्षेत्र सिरपुर व हाथी विचरण क्षेत्र मोहन्दी, अरंड, बागबाहरा, कोमा, कोना, बकमा, खट्टी, तुमगाव में फिलहाल हाथियों की आमद कुछ कम हुई है। इससे पहले क्षेत्र में हाथी की दस्तक होते ही गाँव सूना पड़ जाता था। लोग हाथी को भगाने के लिये तरह-तरह के उपाय करते थे।
- आतिशबाज़ी, मिर्च, मशाल जलाकर हाथियों को भगाया जाता था और अपनी जान जोखिम में डालते थे। इससे हाथी आक्रामक हो जाते थे, जिससे ग्रामीण, हाथी हिंसा के शिकार हो रहे थे। यह सब देखते हुए गजयात्रा कार्यक्रम शुरू किया गया।
- वनरक्षक दीपक ने टीम के साथ गाँव-गाँव जाकर चौपाल लगाकर प्रोजेक्टर में फिल्म दिखाकर एवं लोगों से चर्चा कर ग्रामीणों को हाथियों के व्यवहार एवं सुरक्षा के उपायों को समझाया है।
- गजयात्रा की टीम द्वारा ग्रामीणों को उनकी सामान्य भाषा एवं शैली में गीतों और कहानियों के माध्यम से हाथियों के प्रति संवेदनशील बनाने का सफल प्रयास किया गया है तथा शासन द्वारा प्रदाय क्षतिपूर्ति का विवरण ग्रामीणों को विस्तार से बताया गया एवं हाथी-मानव द्वंद्व को सद्भावनापूर्ण बताया गया, जिससे हिंसा घटी है एवं जन घायल, जन हानि की घटनाएँ शून्य हुई हैं।
- पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग भारत सरकार द्वारा गजयात्रा के सराहनीय कार्य के लिये दीपक शर्मा एवं टीम को राष्ट्रीय स्तर पर गज गौरव अवॉर्ड से नवाजा गया है और अकेला महासमुंद वनमंडल अखिल भारतीय गज गौरव अवॉर्ड के लिये सम्मानित हुआ है।

Assistant Gaj Yatra Team, Mahasamund Forest
Chhattisgarh

World Elephant
DAY 2023

नोट :

गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ के 5 साल : अच्छी योजनाएँ, बेहतर सूचकांक

चर्चा में क्यों?

12 अगस्त, 2023 को छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार बीते पांच वर्षों में राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और उनके बेहतर क्रियान्वयन से छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य, सामाजिक स्थिति में बड़े पैमाने पर काफी सुधार हुआ है।

प्रमुख बिंदु

- जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण 5 के अनुसार इस दौरान नवजात मृत्यु दर 42.1 प्रतिशत से घटकर 32.4 प्रतिशत हो गई है।
- शिशु मृत्यु दर में भी काफी कमी आई है। यह 54.0 प्रतिशत से घटकर 44.3 प्रतिशत हो गई है। पाँच वर्ष से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु के मामले में भी कमी देखी गई है। यह 64.3 प्रतिशत से घटकर 50.4 प्रतिशत हो गई है।
- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने प्रदेश में उच्च जोखिम वाली सभी गर्भवती महिलाओं के लिये विशेष रणनीति बनाई, ताकि प्रदेश में हर माता और दोनों स्वस्थ रहें। इन्हीं कोशिशों का परिणाम है कि प्रदेश में संस्थागत प्रसव में भी काफी बढ़ोतरी हुई है।
- प्रदेश में शिशुओं की मृत्यु दर को न्यूनतम करने के लिये बड़े पैमाने पर काम हो रहे हैं। राज्य के 14 मेडिकल कॉलेज, 26 ज़िला अस्पतालों में सिक न्यू बॉर्न केयर यूनिट की स्थापना की गई है, जिनकी नियमित मॉनिटरिंग स्वयं एम्स रायपुर के विशेषज्ञों द्वारा की जाती है। स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत कवर किये गए परिवारों की संख्या 68.5 प्रतिशत से बढ़कर 71.4 प्रतिशत हो गई है।
- राज्य सरकार द्वारा घरों तक स्वच्छ पेयजल पहुँचाने के लिये बेहतर कार्य किये गए हैं, जिससे लोगों को शुद्ध पेयजल भी मिल रहा है। इसी का नतीजा है कि पेयजल उपलब्धता 96.3 प्रतिशत से बढ़कर 98.8 प्रतिशत हो गई है।
- बेहतर सेनिटेशन सुविधा का उपयोग करने वाले घरों की जनसंख्या में बढ़ोतरी हुई है, जो 34.8 प्रतिशत से बढ़कर 76.8 प्रतिशत हो गई है। खाना पकाने के लिये स्वस्थ ईंधन उपयोग करने वाले परिवारों की संख्या 22.8 प्रतिशत बढ़कर 33.0 प्रतिशत हो गई हैं।
- छत्तीसगढ़ की महिलाएँ भी अब आधुनिक तकनीकी का उपयोग करने लगी हैं। आज के वर्तमान परिवेश में सभी इंटरनेट, मोबाइल, लैपटॉप, कंप्यूटर आदि अन्य संचार साधनों का उपयोग करने लगे हैं। महिलाएँ इंटरनेट के उपयोग के मामले में आगे बढ़ रही हैं। अब 26.7 प्रतिशत महिलाएँ इंटरनेट का उपयोग करने लगी हैं, वही 56.3 प्रतिशत पुरुष इंटरनेट का उपयोग करते हैं।
- आधुनिक परिवेश में सभी महिलाएँ आत्मनिर्भर बनना चाहती हैं। महिलाएं उच्च शिक्षा लेने के बाद रोज़गार की तलाश करने के बाद ही शादी करना चाहती हैं, जिसके कारण अब महिलाएँ 24 वर्ष से अधिक उम्र में शादी कर रही हैं।

मुख्यमंत्री ने नरैय्या तालाब में रजक गुड़ी, शहरी औद्योगिक पार्क का किया शुभारंभ

चर्चा में क्यों?

12 अगस्त, 2023 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राजधानी रायपुर के टिकरापारा स्थित नरैय्या तालाब के पास नवनिर्मित रजक गुड़ी (शहरी औद्योगिक पार्क) का शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

- रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा 69 लाख रुपए की लागत से लगभग 3500 वर्गफीट में तैयार हाईटेक रजक गुड़ी में परंपरागत रूप से कपड़े की धुलाई व प्रेस करने के काम में जुटे रजक समाज को आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध होंगी।
- रजक गुड़ी में मैनुअल के साथ-साथ आटोमेटिक इलेक्ट्रिकल वॉशिंग मशीन लगाई गई है, जिसमें 25-25 कि.ग्रा. के 2 कपड़े निचोड़ने वाली एक्सपेक्टर मशीन, 60 कि.ग्रा. क्षमता की 1 वॉशर तथा 50 कि.ग्रा. क्षमता वाली 1 ड्रायर मशीन स्थापित की गई है।
- कपड़े धोने के लिये पानी की टंकियाँ भी बनाई गई हैं और कपड़ों को इस्त्री करने की भी अलग व्यवस्था है।
- धोबी समाज के परिवारों को परंपरागत व्यवसाय के साथ ही उनके रोज़गार सृजन की व्यवस्था इस पार्क में की गई है, जिसके अंतर्गत कपड़ा धोने के लिये साबुन और डिटर्जेंट बनाने का भी प्रशिक्षण इन परिवारों को दिया जाएगा।
- इस रोज़गारोन्मुखी योजना का लाभ इस तालाब से जुड़कर परंपरागत व्यवसाय कर रहे धोबी समाज के लगभग 100 परिवारों को प्राप्त होगा।

नोट :

प्रदेश के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिये राज्य योजना आयोग बनाएगा विकेंद्रीकृत वार्षिक ज़िला योजना

चर्चा में क्यों ?

11 अगस्त, 2023 को छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार राज्य के सामाजिक-आर्थिक विकास को समग्र समावेशी बनाने और अपेक्षित प्रगति को गति देने के लिये राज्य योजना आयोग द्वारा विकेंद्रीकृत ज़िला योजना 2024-25 तैयार की जाएगी।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- जानकारी के अनुसार राज्य में स्थानीय आवश्यकताओं के आधार पर स्थानीय नागरिकों द्वारा तैयार की गई योजनाओं को शासन तक पहुँचाने के उद्देश्य से राज्य योजना आयोग को समुचित सुझाव देने का दायित्व दिया गया है।
- योजना आयोग को ज़िला स्तर पर स्थानीय आवश्यकताओं का क्रम निर्धारित करने, योजनाएँ बनाने, समीक्षा करने और संसाधन वितरण की प्राथमिकता निर्धारित करने का दायित्व दिया गया है।
- इसके लिये राज्य योजना आयोग द्वारा तैयार की गई डिस्ट्रिक्ट प्रोग्रेस रिपोर्ट को आधार बनाया गया है। साथ ही इन योजनाओं को महत्त्वकांक्षी बनाने का प्रावधान भी शासन स्तर पर किया गया है।
- प्रदेश के सामाजिक-आर्थिक विकास प्रभावी रूप से समावेशी बनाने, कृषि तकनीक, सूचना प्रौद्योगिकी, डिजिटलाइज़ेशन, मौसम सूचना तकनीक, बायोटेक्नोलॉजी सहित जनसामान्य से जुड़ी नई तकनीक के क्षेत्र में राज्य में हुई प्रगति की जानकारी का समावेश किया जाएगा।
- इसी प्रकार राज्य की प्रगति से हुए लाभ दूरस्थ क्षेत्रों तक समावेशी व प्रभावी रूप में ले जाने के लिये ज़िलों के संबंधित क्रियान्वयन संस्थाओं व विभागों को सक्रिय करने और संसाधनों के प्रभावी उपयोग के लिये नवीन दिशा-निर्देश की आवश्यकता थी।
- इसके लिये नगरीय प्रशासन विकास विभाग और पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के समन्वय से राज्य योजना आयोग के उपाध्यक्ष, अजय सिंह के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ राज्य योजना आयोग द्वारा ज़िला योजना समिति के द्वारा विकेंद्रीकृत ज़िला योजना तैयार करने के लिये विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किये गए हैं।

मुख्यमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस पर प्रदेशवासियों को दी अनेक महत्त्वपूर्ण सौगात

चर्चा में क्यों ?

15 अगस्त, 2023 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राजधानी रायपुर के पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित समारोह में कई महत्त्वपूर्ण घोषणाएँ करते हुए प्रदेशवासियों को अनेक महत्त्वपूर्ण सौगातें दीं।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेश के साहित्यिक वातावरण को और भी सुदृढ़ करने के लिये साहित्यकारों को तीन श्रेणियों में 'छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी सम्मान' दिये जाने की घोषणा की।
  - पहला - छत्तीसगढ़ी एवं अन्य बोली जैसे गोंडी, हल्बी, सरगुजिया, कुरुख आदि में लिखे गए साहित्य के लिये।
  - दूसरा - हिन्दी में लिखे गए पद्य के लिये।
  - तीसरा - हिन्दी में लिखे गए गद्य के लिये यह सम्मान दिया जाएगा।
  - हर श्रेणी में सम्मानित साहित्यकारों को 5 लाख रुपए नगद एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान किये जाएंगे।

- मुख्यमंत्री ने कहा कि बालिकाओं एवं महिलाओं से छेड़छाड़, दुष्कर्म आदि के आरोपियों को शासकीय नौकरियों से प्रतिबंधित किया जाएगा।
- छत्तीसगढ़िया ओलंपिक की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में लंबी कूद, 100 मीटर दौड़ एवं कुश्ती के खेल में 18 से 40 वर्ष के आयु वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को उत्कृष्ट खिलाड़ी घोषित किया जाएगा। यह प्रावधान इसी वर्ष से लागू किये जाएंगे।
- मछली पालन और लाख पालन को कृषि का दर्जा दिये जाने के सकारात्मक परिणामों को देखते हुये मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ में अब रेशम कीट पालन एवं मधुमक्खी पालन को भी कृषि का दर्जा देने की घोषणा की है।
- छत्तीसगढ़ प्रदेश में कुक्कुटपालन को प्रोत्साहित करने, नवीन रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर सृजित किये जाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री ने 'छत्तीसगढ़ कुक्कुटपालन प्रोत्साहन योजना' प्रारंभ किये जाने की घोषणा की है। इस योजना के अंतर्गत कुक्कुट पालकों को सब्सिडी तथा वाणिज्यिक दर के स्थान पर अब रियायती दर पर बिजली उपलब्ध कराई जाएगी।
- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों के शासकीय शालाओं के 11वीं एवं 12वीं के विद्यार्थी भी इंजीनियरिंग एवं मेडिकल की प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतर रूप से तैयारी कर सकें, इसके लिये देश के ख्याति प्राप्त कोचिंग संस्थाओं से ऑनलाइन कोचिंग नि:शुल्क कराने की व्यवस्था शीघ्र ही करने जा रहे हैं। इसके लिये सभी विकासखंड मुख्यालयों में ऑनलाइन कोचिंग कक्षाओं की व्यवस्था की जाएगी।

नोट :

- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने नवनिर्मित ज़िला सारंगढ़-बिलाईगढ़ मुख्यालय में संचालित शासकीय लोचनप्रसाद पांडे महाविद्यालय सारंगढ, ज़िला गौरेला-पेंड्रा-मरवाही मुख्यालय में संचालित डॉ. भंवर सिंह पोर्ते महाविद्यालय पेंड्रा, ज़िला शक्ति मुख्यालय में संचालित क्रांति कुमार भारतीय महाविद्यालय शक्ति एवं ज़िला मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में संचालित शासकीय एल.सी.एस. महाविद्यालय अंबागढ़ चौकी को स्नातकोत्तर विद्यालय का दर्जा प्रदान करने की घोषणा की।
- मुख्यमंत्री ने नवा छत्तीसगढ़ गढ़ने में आधुनिक प्रौद्योगिकी की भूमिका को देखते हुये अगले शिक्षा सत्र से स्कूली बच्चों के पाठ्यक्रम में भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसी अत्याधुनिक तकनीकी की जानकारी पाठ्यक्रम में शामिल करने की घोषणा की।
- मुख्यमंत्री ने शासकीय महाविद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को घर से कॉलेज और कॉलेज से घर आने-जाने के लिये बस के माध्यम से नि:शुल्क परिवहन सुविधा उपलब्ध कराए जाने की घोषणा की।
- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि अगले शिक्षा सत्र से राज्य के जिन क्षेत्रों में छत्तीसगढ़ी भाषा बोली जाती है, वहाँ छत्तीसगढ़ी भाषा एवं आदिवासी क्षेत्रों में वहाँ की स्थानीय बोली को कक्षा एक से कक्षा पाँचवीं तक पाठ्यक्रम में एक विषय के रूप में सम्मिलित किया जाएगा।
- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शहरी स्वच्छता दीदियों के उत्कृष्ट कार्यों को देखते हुये उनके मानदेय में भी 20 प्रतिशत वृद्धि की घोषणा की। स्वच्छता दीदियों के उत्कृष्ट कार्यो के कारण ही प्रदेश ने लगातार तीन बार देश का स्वच्छतम राज्य होने का गौरव हासिल किया है।
- मुख्यमंत्री ने शहरी आजीविका के क्षेत्र में कार्यरत सामुदायिक संगठकों के उत्कृष्ट कार्यों को देखते हुये उनके मानदेय में 20 प्रतिशत बढ़ोतरी की घोषणा की है।
- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मेहनतकश निर्माण श्रमिकों के लिये 'मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक पेंशन सहायता योजना' प्रारंभ करने की घोषणा की। निर्माण कार्य करने वाले ऐसे मज़दूर जिनकी आयु 60 वर्ष पूरी हो चुकी हो तथा जो 10 साल तक पंजीकृत रहे हैं, उन्हें जीवनपर्यंत हर महीने 1500 रुपए मासिक पेंशन दी जाएगी।
- मुख्यमंत्री ने औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं में कार्यरत संविदा प्रशिक्षण अधिकारियों के एकमुश्त संविदा वेतन को 25,780 रुपए से बढ़ाकर प्रतिमाह 32,740 रुपए करने तथा मेहमान प्रवक्ताओं के प्रतिमाह अधिकतम भुगतान की सीमा को 13,000 रुपए से बढ़ाकर 15,000 रुपए प्रतिमाह करने की घोषणा की है।
- मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ में शिक्षा सुविधाओं में अपना महत्त्वपूर्ण योगदान देने वाले अंशकालीन सफाई कर्मी भाई-बहनों को एवं मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम से जुड़े रसोइयों के मानदेय में 500 रुपए प्रतिमाह वृद्धि किये जाने की घोषणा की है।

मुख्यमंत्री ने उत्कृष्ट कार्यो के लिये तीन गौठानों को किया पुरस्कृत

चर्चा में क्यों?

15 अगस्त, 2023 को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राजधानी रायपुर के पुलिस परेड मैदान में आयोजित स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह में राज्य में 'सुराजी गाँव योजना' के तहत संचालित किये जा रहे तीन गौठानों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिये पुरस्कृत किया।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री ने इस मौके पर गौठान प्रबंधन समिति के अध्यक्षों को शॉल, श्रीफल, प्रशस्ति-पत्र एवं प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया।
- पुरस्कृत गौठान प्रबंधन समितियों में राजनांदगाँव ज़िले के ग्राम अमलीडीह, दुर्ग ज़िले के ग्राम चंदखुरी और सारंगढ़-बिलाईगढ़ ज़िले के ग्राम हिर्री गौठान प्रबंधन समितियाँ शामिल हैं।
- गौरतलब है कि सुराजी गाँव योजनांतर्गत गाँव में बनाए गए गौठानों में पुशओं के डे-केयर के साथ-साथ गौठानों में स्व-सहायता समूहों के द्वारा वर्मी कंपोस्ट निर्माण, मत्स्य पालन, कुक्कुट पालन, सब्जी उत्पादन सहित विभिन्न प्रकार की आर्थिक गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं।
- इन गौठानों का संचालन प्रबंधन, गौठान समिति एवं ग्राम पंचायत के माध्यम से किया जा रहा है।

स्वतंत्रता दिवस मुख्य समारोह 2023 : मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों को उत्कृष्ट सेवाओं के लिये किया पुरस्कृत

चर्चा में क्यों?

15 अगस्त, 2023 को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राजधानी रायपुर के पुलिस परेड मैदान में आयोजित स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह में पुलिस विभाग के 07 अधिकारियों को पुलिस वीरता पदक, 11 अधिकारियों को भारतीय पुलिस पदक, 02 अधिकारियों को गृह रक्षक एवं नागरिक सुरक्षा सराहनीय सेवा पदक और एक को राष्ट्रपति का विशिष्ट सेवा पदक प्रदान किया।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पुलिस विभाग के अधिकारियों को पुलिस वीरता पदक, सराहनीय सेवा के लिये भारतीय पुलिस पदक, गृह रक्षक एवं नागरिक सुरक्षा सराहनीय सेवा पदक, गुरु घासीदास पुरस्कार, राज्यपाल पुरस्कार, रानी सुबरन कुंवर पुरस्कार, मुख्यमंत्री पुरस्कार वीर नारायण सिंह पुरस्कार और पुलिस महानिदेशक पुरस्कार के लिये चयनित अधिकारियों को पुरस्कार प्रदान किया।

नोट :

- मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ के जिन अधिकारियों को पुलिस वीरता पदक प्रदान किया उनमें रक्षित निरीक्षक वैभव मिश्रा, पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक पल्लव, निरीक्षक अश्वनी सिन्हा, निरीक्षक यशवंत श्याम, सहायक उपनिरीक्षक उसारू राम कोर्राम, निरीक्षक उत्तम कुमार और सहायक प्लाटून कमांडर शहीद कृष्णपाल सिंह कुशवाहा का नाम शामिल है।
- समारोह में पुलिस महानिरीक्षक गुप्त वार्ता अजय कुमार यादव, पुलिस महानिरीक्षक बद्री नारायण मीणा, पुलिस अधीक्षक झाडु राम ठाकुर, पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनंत कुमार साहू, निरीक्षक कमलेश्वर सिंह, कंपनी कमांडर अर्जुन सिंह ठाकुर, प्लाटून कमांडर हरिहर प्रसाद गर्ग, प्लाटून कमांडर संजय कुमार दुबे, प्रधान आरक्षक बलबीर सिंह, पुलिस महानिरीक्षक सुंदर लाल पट्टीलिंगम को भारतीय पुलिस पदक से नवाज़ा गया।
- इसी प्रकार गृह रक्षक एवं नागरिक सुरक्षा सराहनीय सेवा पदक नायक नगरसेना शशिभूषण सोनी और कन्हैयालाल साहू को प्रदान किया गया।
- गुरु घासीदास पुरस्कार प्रधान आरक्षक सुरेश बंजारे, राज्यपाल पुरस्कार प्रधान आरक्षक श्रीमती अंजू सिंह, मुख्यमंत्री पुरस्कार प्रधान आरक्षक संदीप देशमुख, रानी सुबरन कुंवर पुरस्कार उप निरीक्षक श्रीमती सरिता तिवारी, वीर नारायण सिंह पुरस्कार निरीक्षक सुरेंद्र कुमार चतुर्वेदी और पुलिस महानिदेशक पुरस्कार उप निरीक्षक श्रीमती नीता राजपूत को दिया गया।

मिसल बंदोबस्त अब मोबाइल पर : रायपुर ज़िले का ऑनलाइन पोर्टल शुरू

चर्चा में क्यों ?

16 अगस्त, 2023 को रायपुर ज़िला प्रशासन ने ज़िले का मिसल बंदोबस्त ऑनलाइन पोर्टल शुरू कर दिया है। इस पोर्टल से अब लोग आसानी से अपनी ज़मीनों का रिकॉर्ड मोबाईल पर ही देख सकते हैं और उसे डाउनलोड कर सकेंगे।

प्रमुख बिंदु

- रायपुर ज़िला कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर भुरे ने बताया कि लोगों को अपनी कई दस्तावेज़ी ज़रूरतों के लिये वर्ष 1929-1945 के पुराने मिसल बंदोबस्त रिकॉर्ड की ज़रूरत पड़ती है और उन्हें इसके लिये कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ते हैं, परंतु अब यह रिकॉर्ड ऑनलाइन पोर्टल पर उपलब्ध है। लोग इसे अब अपने मोबाइल पर ही देख और डाउनलोड कर सकते हैं। डाउनलोड किये गए दस्तावेज़ के प्रिंट भी लिये जा सकते हैं।
- मिसल बंदोबस्त रिकॉर्ड पोर्टल का लिंक https://revenue.cg.nic.in/missal/ है, जिसमें प्रदान की गई व्यवस्था में रिकॉर्ड खोजें ग्राम वार एवं रिकॉर्ड खोजें नाम वार के माध्यम से सामान्य जन अपने कंप्यूटर या मोबाइल के माध्यम से वर्ष 1929-1945 के अपने रिकॉर्ड आसानी से प्राप्त कर सकते हैं।
- मिसल बंदोबस्त रिकॉर्ड ऑनलाइन चेक करने के लिये सबसे पहले आधिकारिक वेबसाइटी https://revenue.cg.nic-in/missal/ पर जाएँ। होम पेज पर आपको पूछी गई जानकारियों, जैसे- ज़िला, तहसील, राजस्व नंबर, प.ह.नं, गाँव, अभिलेख का चुनाव करें।
- सभी पूछी गई जानकारियों को दर्ज करके खोजें पर क्लिक करने से स्क्रीन पर मिसल बंदोबस्त रिकॉर्ड लिस्ट खुल जाती है। खुले हुए पेज में नाम ढूंढें और उसके आगे सेलेक्ट लिखा होगा, वहाँ क्लिक करें। लाभार्थी लिस्ट को डाउनलोड भी कर सकते हैं व प्रिंट के ऑप्शन पर जाकर प्रिंटआउट भी निकाल सकते हैं।

नोट :

छत्तीसगढ़ देश में मत्स्य बीज उत्पादन में पाँचवें और मत्स्य उत्पादन में छठवें स्थान पर

चर्चा में क्यों ?

16 अगस्त, 2023 को छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार राज्य मछली बीज उत्पादन में आत्मनिर्भर हो चुका है एवं पूरे देश में मत्स्य बीज उत्पादन के क्षेत्र में पाँचवें स्थान तथा मत्स्य उत्पादन के क्षेत्र में छठवें स्थान पर है।

प्रमुख बिंदु

- छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा मत्स्य पालन को कृषि का दर्जा दिये जाने से मत्स्य पालकों को ब्याज मुक्त ऋण तथा अन्य सुविधाएँ मिलने से मत्स्य पालन की लागत में कमी आई है और मछुआरों की आमदनी बढ़ी है।
- प्रदेश में मछली पालन के लिये 2 लाख हेक्टेयर से अधिक जल क्षेत्र उपलब्ध है। मत्स्य बीज उत्पादन के लिये 86 हेचरी, 59 मत्स्य बीज प्रक्षेत्र, 647 हेक्टेयर संवर्धन पोखर उपलब्ध हैं, जहाँ उन्नत प्रजाति के 330 करोड़ मछली बीज फ्राई का उत्पादन किया जा रहा है।

- राज्य की आवश्यकता 143 करोड़ की है। शेष 187 करोड़ मछली बीज अन्य राज्यों को निर्यात किये जा रहे हैं।
- छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के समय मात्र 93 हज़ार मेट्रिक टन मत्स्य का उत्पादन होता था, वर्तमान में लगभग 6 लाख मीट्रिक टन मत्स्य उत्पादन होने लगा है। मत्स्य उत्पादन में यह वृद्धि साढ़े छह गुना है।
- मत्स्य पालन के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर देश में बेस्ट इनलैंड स्टेट का अवॉर्ड भी मिला है।
- राज्य के 19 सिंचाई जलाशयों एवं दो खदानों में कुल 4021 केज स्थापित किये जा चुके हैं। पंगेशियस, मोनोसेक्स तिलापिया जैसी मछलियों का पालन एवं जलाशयों में केज कल्चर के माध्यम से सीमित जल संसाधन में अधिक मत्स्य उत्पादन प्राप्त करने में सहायता प्राप्त हुई है।
- राज्य में ग्रामीण तालाबों में प्रति हेक्टेयर औसत मत्स्य उत्पादन 4017 कि.ग्रा. एवं सिंचाई जलाशयों में 240 कि.ग्रा. उत्पादन है, जो देश के औसत उत्पादन से अधिक है।
- कांकेर ज़िले के कोयलीबेड़ा विकासखंड में मछली पालन की क्लस्टर आधारित खेती विकसित हो रही है, जहाँ 3000 से अधिक किसान लाभान्वित हो रहे हैं।
- बांगों सिंचाई डैम में एक हज़ार केज स्थापित किये गए हैं। इस डैम के डुबान क्षेत्र के विस्थापित मछुआ सहकारी समिति के सदस्यों को कुछ साल पहले तक मत्स्य पालन में आमदनी के लिये खूब मेहनत करनी पड़ती थी। इसके बावजूद उन्हें आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ता था।

- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जब इस क्षेत्र के ग्राम सतरेंगा आए तो उन्होंने मात्स्यिकी समूहों की आवश्यकताओं को समझा और मछुआ समूहों को 1000 नग केज उपलब्ध कराने की घोषणा की।
- मुख्यमंत्री की घोषणा उपरांत ज़िला खनिज संस्थान न्यास कोरबा एवं विभागीय सहयोग से बांगो सिंचाई जलाशय के ग्राम सतरेंगा में 100 नग, ग्राम गढ़उपरोड़ा में 100 नग तथा निउमकछार में 800 नग केज स्थापना का कार्य पूर्ण किया गया तथा बांगो सिंचाई जलाशय के आस-पास के विस्थापित मछुआ सहकारी समिति के 200 सदस्यों को आत्मनिर्भर बनाने के लिये मत्स्य पालन के व्यवसाय से जोड़ा गया। परिणामस्वरूप मछुआ समूहों की आमदनी पहले की अपेक्षा बहुत बढ़ गई है और वे आत्मनिर्भरता की राह में आगे बढ़ रहे हैं।
- प्रत्येक हितग्राही को 5-5 नग केज आवंटित हैं, प्रत्येक केज में 5000 नग तिलापिया मोनोसेक्स/पंगेशियस मत्स्य बीज संचित कर मत्स्य उत्पादन किया जा रहा है तथा प्रत्येक केज से लगभग 2000 कि.ग्रा. मत्स्य उत्पादन प्राप्त किया जा रहा है।
- वर्ष 2022-23 में प्रत्येक हितग्राही को आवंटित केज से मत्स्य उत्पादन से उनकी आर्थिक और सामाजिक स्थिति बेहतर हो रही है।

नोट :

बस्तर संभाग के युवाओं से भेंट-मुलाकात में मुख्यमंत्री ने युवाओं को दी अनेक सौगात

चर्चा में क्यों ?

16 अगस्त, 2023 को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बस्तर संभाग में भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के तहत जगदलपुर के शासकीय काकतीय पीजी कॉलेज मैदान धरमपुरा में युवाओं से चर्चा की, उनकी आकांक्षाएँ जानीं और उनके हित में अनेक घोषणाएँ मौके पर ही कीं।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कोंडागाँव में कुश्ती एकेडमी शुरू करने और सुकमा में अगले वर्ष से कृषि महाविद्यालय आरंभ किये जाने की घोषणा की।
- भेंट-मुलाकात के दौरान नारायणपुर के युवाओं ने आउटडोर स्टेडियम तथा सेंट्रल लाइब्रेरी की मांग की, इसे भी पूरा किया गया। नारायणपुर में पीएमटी गर्ल्स कॉलेज में सीटों की संख्या 50 से बढ़ाकर 100 किये जाने की घोषणा भी की गई।
- मुख्यमंत्री ने छात्राओं की सुविधा के लिये जगदलपुर दंतेश्वरी गर्ल्स कॉलेज में हॉस्टल को भी स्वीकृति दी।
- कांकेर के चारामा में डीसीए और पीजीडीसीए के साथ ही पीजी कॉलेज खोलने की घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अगले साल से यह कोर्स आरंभ हो जाएंगे।
- मुख्यमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर युवा हितों में लिये गए बड़े फैसलों की जानकारी भी युवाओं को दी-
    - उन्होंने कहा कि महिलाओं से छेड़छाड़, दुष्कर्म आदि के आरोपियों को शासकीय नौकरी से प्रतिबंधित किया जाएगा।
    - शासकीय महाविद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को घर से महाविद्यालय तक आने हेतु बस की सुविधा नि:शुल्क दी जाएगी।
    - छत्तीसगढ़िया ओलंपिक की राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में लंबी कूद, 100 मीटर दौड़ एवं कुश्ती के खेल में 18 से 40 वर्ष के आयु वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को उत्कृष्ट खिलाड़ी घोषित किया जाएगा। यह प्रावधान इसी वर्ष से लागू किये जाएंगे।
    - दूरस्थ क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिये इंजीनियरिंग और मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी ऑनलाइन विकासखंड मुख्यालयों में हो सकेगी।

नोट :

नोट :

मुख्यमंत्री ने न्याय योजनाओं के हितग्राहियों को 2055.60 करोड़ रुपए का किया ऑनलाइन भुगतान

चर्चा में क्यों ?

20 अगस्त, 2023 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्वर्गीय राजीव गांधी की जयंती 'सद्भावना दिवस' के अवसर पर महासमुंद के हाईस्कूल मैदान में न्याय योजनाओं सहित अन्य योजनाओं के हितग्राहियों, किसानों, मज़दूरों, ग्रामीण व पशुपालकों को 2055.60 करोड़ रुपए की राशि का ऑनलाइन भुगतान किया।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कार्यक्रम में 'राजीव गांधी किसान न्याय योजना' के हितग्राहियों को योजना की दूसरी किश्त के रूप में 1810 करोड़ रुपए का भुगतान किया। इस राशि को मिलाकर राजीव गांधी किसान न्याय योजना के 24.30 लाख किसानों को अब तक 21 हज़ार 912 करोड़ रुपए की इनपुट सब्सिडी का भुगतान किया जा चुका है।
- मुख्यमंत्री ने 'राजीव गांधी भूमिहीन कृषि मज़दूर न्याय योजना' के हितग्राहियों को दूसरी किश्त के रूप में 168.63 करोड़ रुपए की राशि का भुगतान किया। इस राशि को मिलाकर योजना के 5.6 लाख हितग्राहियों को अब तक 758.03 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है।
- कार्यक्रम में भूपेश बघेल ने 'राजीव युवा मितान क्लबों' को 66.21 करोड़ रुपए की राशि का भी अंतरण किया। युवाओं को रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ने के लिये राज्य में गठित 13 हज़ार 242 क्लबों को अब तक 132.48 करोड़ रुपए की राशि का भुगतान किया जा चुका है।
- मुख्यमंत्री ने इसी कड़ी में 'गोधन न्याय योजना' के हितग्राहियों को 9.65 करोड़ रुपए की राशि का भुगतान किया। इस राशि को मिलाकर योजना के तहत अब तक महिला स्व-सहायता समूहों, गोठान समितियों और ग्रामीणों को 551.31 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है।
- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कार्यक्रम में 'मुख्यमंत्री परब सम्मान निधि योजना' के तहत गैर-अनुसूचित क्षेत्र की ग्राम पंचायतों को 1.11 करोड़ रुपए की राशि का अंतरण किया। इस राशि को मिलाकर 6,111 ग्राम पंचायतों को स्थानीय उत्सवों को मनाने के लिये 6.11 करोड़ रुपए की राशि का भुगतान किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री ने 13 नए अनुविभागों और 18 नई तहसीलों का किया वर्चुअल शुभारंभ

चर्चा में क्यों?

20 अगस्त, 2023 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्वर्गीय राजीव गांधी की जयंती 'सद्भावना दिवस' अवसर पर महासमुंद के हाईस्कूल मैदान में नवगठित 13 राजस्व अनुविभाग और 18 तहसीलों का वर्चुअल शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

- इन नवीन तहसीलों एवं अनुविभाग के प्रारंभ होने से राज्य में अब 122 राजस्व अनुविभाग एवं 250 तहसीलें हो गई हैं।
- गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा बीते पौने पाँच सालों में शासन-प्रशासन को आम जनता के करीब लाने, प्रशासनिक कामकाज में पारदर्शिता और कसावट लाने के उद्देश्य से राज्य में नए ज़िले, अनुविभागों एवं तहसीलों को बनाए जाने की घोषणा की जाती रही है।
- वर्ष 2018 में राज्य में ज़िलों की संख्या 27 थी। 6 नवीन ज़िलों- गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, सक्ती, सारंगगढ़-बिलाईगढ़, मोहला-मानपुर-चौकी, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के गठन होने के बाद राज्य में ज़िलों की संख्या बढ़कर 33 हो गई है।
- इसी तरह मुख्यमंत्री द्वारा राज्य में 13 नवीन अनुविभाग एवं 18 नवीन तहसीलों के गठन की घोषणा की गई थी, जिनका विधिवत शुभारंभ किया गया। नवीन अनुविभागों एवं तहसीलों की स्थापना से शासकीय योजनाओं का सुचारु रूप से क्रियान्वयन एवं आम जनता तक मूलभूत सुविधाओं की पहुँच सुगम होगी।
- नवगठित 13 अनुविभाग- वर्ष 2023 में 13 नवीन अनुविभाग बकावंड (ज़िला बस्तर), छिंदगढ़ (ज़िला सुकमा), रामानुजनगर (ज़िला सूरजपुर), डौंडी (ज़िला बालोद), फरसाबहार (ज़िला जशपुर), पलारी (ज़िला बलौदाबाज़ार-भाटापारा), छुरा (ज़िला गरियाबंद), उसूर (आवापल्ली) (ज़िला बीजापुर), बसना (ज़िला महसमुंद), लुंड्रा (धौरपुर) एवं उदयपुर (ज़िला सरगुजा), केल्हारी (ज़िला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर) तथा शंकरगढ़ (ज़िला बलरामपुर-रामानुजनगर) का गठन किया गया है।
- नवगठित 18 तहसीलें- वर्ष 2023 में 18 नवीन तहसील कापू (ज़िला रायगढ़), भटगाँव (ज़िला सूरजपुर), कुकदुर (ज़िला कबीरधाम), करपावंड (ज़िला बस्तर), दोरनापाल एवं जगरगुंडा (ज़िला सुकमा), घुमका एवं कुमरदा (ज़िला राजनांदगाँव), पचपेड़ी (ज़िला बिलासपुर), बागबहार (ज़िला जशपुर), बान्दे, आमाबेड़ा एवं कोयलीबेड़ा (ज़िला कांकेर), चंद्रपुर एवं भोथिया (ज़िला सक्ती), फिंगेश्वर (ज़िला गरियाबंद), दाढ़ी (ज़िला बेमेतरा) तथा सरसींवा (ज़िला सारंगढ़-बिलाईगढ़) का गठन किया गया है।

अंबिकापुर को मिली इंडोर स्टेडियम और डिजिटल लाइब्रेरी की सौगात

चर्चा में क्यों?

- 22 अगस्त, 2023 को अंबिकापुर के पीजी कॉलेज हॉकी स्टेडियम में युवाओं के साथ भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने रायपुर की तरह अंबिकापुर में भी खेलप्रेमियों के लिये 100 करोड़ रुपए की लागत से इंडोर स्टेडियम बनाने की घोषणा के साथ ही कई अन्य महत्त्वपूर्ण घोषणाएँ की।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने केआर टेक्निकल कॉलेज की दिव्यांग छात्रा तमन्ना सिंह की मांग पर मूक-बधिर बच्चों के लिये राज्यस्तर पर एक रेजिडेंशियल कॉलेज आरंभ करने की घोषणा भी की। अब तक ऐसे बच्चों के लिये केवल स्कूल की ही सुविधा है।
- भेंट-मुलाकात कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा की गईं घोषणाएँ-
- संभागीय मुख्यालय अंबिकापुर में विशाल इंडोर स्टेडियम बनाया जाएगा, जो रायपुर के इंडोर स्टेडियम की तरह होगा। इसके लिये 100 करोड़ रुपए प्रदान करने की घोषणा की गई है।
- राजधानी रायपुर के नालंदा परिसर की तरह अंबिकापुर में डिजिटल लाइब्रेरी की घोषणा की।
- सरगुजा संभाग के सभी ज़िलों में शासकीय बीएड कॉलेज खोले जाएंगे।
- ज़िला मुख्यालय सूरजपुर में युसु खेल अकादमी खोले जाने की घोषणा की।
- मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर ज़िले में लॉ कॉलेज की घोषणा की।

नोट :

सरगुजा संभाग के प्रथम स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेज़ी माध्यम महाविद्यालय का हुआ लोकार्पण

चर्चा में क्यों ?

22 अगस्त, 2023 को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सरगुजा संभाग के प्रथम स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेज़ी माध्यम आदर्श महाविद्यालय का लोकार्पण किया।

प्रमुख बिंदु

- छत्तीसगढ़ में अंग्रेज़ी माध्यम के कुल 10 स्वामी आत्मानंद आदर्श महाविद्यालय खोले जा रहे हैं, जिनमें से अंबिकापुर के केशवपुर में स्वामी आत्मानंद अंग्रेज़ी माध्यम आदर्श महाविद्यालय भवन के जीर्णोद्धार कार्य का लोकार्पण किया गया।
- ज्ञातव्य है कि शासकीय महाविद्यालय की कुल प्रवेश क्षमता 1000 है, जिसमें लगभग 610 छात्र-छात्राओं ने प्रवेश लिया है।
- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की घोषणा के बाद शासकीय विज्ञान महाविद्यालय को अपग्रेड करते हुए सुविधाओ के विस्तार के लिये जीर्णोद्धार तथा निर्माण कार्य हुए। छात्रों के लिये आधुनिक समय अनुरूप तकनीकों, स्मार्ट क्लासरूम, अत्याधुनिक लाईब्रेरी, प्रयोगशाला, अतिरिक्त कक्ष जैसी अन्य सुविधाओं के साथ महाविद्यालय तैयार है।
- महाविद्यालय में कुल 2.54 करोड़ रुपए की लागत से जीर्णोद्धार तथा निर्माण कार्य किये गए हैं।

नोट :

उप मुख्यमंत्री ने स्वच्छता, और संक्रमण की रोकथाम के लिये उत्कृष्ट कार्य करने वाले 25 आयुष संस्थाओं को दिये पुरस्कार

चर्चा में क्यों ?

24 अगस्त, 2023 को छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री टी.एस. सिंहदेव ने रायपुर के एक निजी होटल में आयोजित कायाकल्प-आयुष पुरस्कार समारोह में स्वच्छता को बढ़ावा देने, संक्रमण की रोकथाम और अपशिष्ट प्रबंधन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले राज्य के 25 आयुष संस्थाओं को पुरस्कार प्रदान किया।

प्रमुख बिंदु

- विदित है कि स्वच्छता, संक्रमण नियंत्रण तथा स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता का चार चरणों में मूल्यांकन के बाद उत्कृष्ट पाए गए 25 आयुष संस्थाओं का इन पुरस्कारों के लिये चयन किया गया था।
- राष्ट्रीय आयुष मिशन के अंतर्गत केंद्रीय आयुष मंत्रालय के दिशा-निर्देशानुसार आयुष संस्थाओं में स्वच्छता को बढ़ावा देने, संक्रमण की रोकथाम तथा अपशिष्ट प्रबंधन के साथ गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएँ मुहैया कराने के लिये प्रदेश में कायाकल्प-आयुष का क्रियान्वयन किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ ऐसा करने वाला देश का पहला राज्य है।
- कायाकल्प-आयुष की शुरुआत के बाद पूरे देश में आज पहली बार छत्तीसगढ़ में आयुष संस्थाओं के मूल्यांकन के बाद चयनित संस्थाओं को पुरस्कृत किया गया।
- केंद्रीय आयुष मंत्रालय की संयुक्त सचिव और राष्ट्रीय आयुष मिशन की प्रभारी कविता गर्ग ने बताया कि वर्तमान में राज्य में 400 आयुष हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स फंक्शनल हैं। छत्तीसगढ़ को इसके लिये जो लक्ष्य दिया गया था, उसे राज्य ने शत-प्रतिशत हासिल किया है।
- चिकित्सा शिक्षा विभाग की अपर मुख्य सचिव रेणु जी. पिल्लै ने समारोह में बताया कि 1174 आयुष संस्थाओं में से 1054 संस्थाओं ने कायाकल्प-आयुष में भागीदारी की।
- कार्यक्रम में आयुष विभाग की संचालक नम्रता गांधी ने आयुष संस्थाओं के सुदृढ़ीकरण तथा गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के लिये किये जा रहे नवाचारों की जानकारी दी। उन्होंने विभाग द्वारा उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा सुविधाओं और कायाकल्प-आयुष के तहत आयुष संस्थाओं के मूल्यांकन के बारे में भी बताया।

- कायाकल्प-आयुष के अंतर्गत ज़िला आयुर्वेद चिकित्सालय श्रेणी में ज़िला आयुर्वेद चिकित्सालय जगदलपुर को प्रथम पुरस्कार मिला। ज़िला एलोपैथी चिकित्सालय जगदलपुर में सहस्थापित आयुष विंग तथा आयुष स्पेशलाइज्ड थेरेपी सेंटर सूरजपुर को अपनी-अपनी श्रेणी में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- इन तीनों संस्थाओं को क्रमशः दो लाख रुपए, डेढ़ लाख रुपए और सवा लाख रुपए की पुरस्कार राशि दी गई।
- राजनांदगांव ज़िले के आयुष स्पेशलाइज्ड थेरेपी सेंटर डोंगरगढ़ को 50 हज़ार रुपए का द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया।
- आयुष औषधालय श्रेणी में हर संभाग के तीन-तीन संस्थाओं को पुरस्कृत किया गया। इन्हें प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार के रूप में क्रमशः 75 हज़ार रुपए, 50 हज़ार रुपए और 25 हज़ार रुपए की पुरस्कार राशि दी गई।
- रायपुर संभाग में गरियाबंद ज़िले के आयुर्वेद औषधालय अकलवारा को प्रथम, धमतरी के आयुर्वेद औषधालय परसापानी को द्वितीय और रायपुर के आयुर्वेद औषधालय टेकारी (जुलुम) को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया।
- बिलासपुर संभाग में रायगढ़ ज़िले के बर्रा, भेडवन और समकेरा आयुर्वेद औषधालय को क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार दिया गया।
- सरगुजा संभाग के अंतर्गत बलरामपुर-रामानुजगंज ज़िले के होम्योपैथी औषधालय वाड्रफनगर को प्रथम और इसी ज़िले के होम्योपैथी औषधालय पेंड्री को द्वितीय तथा जशपुर ज़िले के आयुर्वेद औषधालय बंदरचुआ को तृतीय पुरस्कार मिला।
- बस्तर संभाग में कोंडागांव ज़िले के आयुर्वेद औषधालय बोरगांव को प्रथम, कांकेर ज़िले के आयुर्वेद औषधालय तरहुल को द्वितीय और इसी ज़िले के आयुर्वेद औषधालय दबेना को तृतीय पुरस्कार दिया गया।
- दुर्ग संभाग के तहत राजनांदगाँव ज़िले के आयुर्वेद औषधालय पदुमतरा को प्रथम, राजनांदगाँव के ही आयुर्वेद औषधालय विचारपुर को द्वितीय तथा कबीरधाम के आयुर्वेद औषधालय सिंघनगढ़ को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया।
- आयुष केंद्र एवं स्पेशलिटी क्लीनिक श्रेणी में बिलासपुर, सरगुजा और बस्तर संभाग के दो-दो आयुष संस्थाओं को पुरस्कृत किया गया। इस श्रेणी में प्रथम पुरस्कार के रूप में 75 हज़ार रुपए और द्वितीय पुरस्कार के तौर पर 50 हज़ार रुपए की राशि दी गई।
- बिलासपुर संभाग के रायगढ़ ज़िले के आयुष केंद्र कनकबीरा को प्रथम और कोरबा के आयुष स्पेशिलिएटी क्लीनिक लेमरू को द्वितीय पुरस्कार से नवाज़ा गया।
- सरगुजा संभाग के अंतर्गत सूरजपुर के आयुष स्पेशिलिएटी क्लीनिक बसदेई को प्रथम एवं जशपुर के आयुष केंद्र भेलवां को द्वितीय पुरस्कार दिया गया।
- बस्तर संभाग के तहत कांकेर ज़िले के आयुष केंद्र कोटतरा को प्रथम और कोंडागांव के आयुष केंद्र अनतपुर को द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

नोट :

छत्तीसगढ़ की 'मुख्यमंत्री मितान योजना' को डिजिटल नवाचार के लिये उत्कृष्ट परियोजना हेतु उत्तर प्रदेश सरकार ने किया पुरस्कृत

चर्चा में क्यों?

24 अगस्त, 2023 को में छत्तीसगढ़ की 'मुख्यमंत्री मितान योजना' को उत्तर प्रदेश सरकार ने लखनऊ में उत्तर प्रदेश योजना एवं निवेश कॉन्क्लेव में डिजिटल नवाचार में उत्कृष्ट परियोजना श्रेणी में पुरस्कृत किया।

प्रमुख बिंदु

- इस कॉन्क्लेव का आयोजन उत्तर प्रदेश सरकार तथा इलेट्स ने किया था।
- 'मुख्यमंत्री मितान योजना' के लिये छत्तीसगढ़ को यह सम्मान डिजिटल माध्यम का उपयोग करते हुए नगरीय सेवाओं को आसानी से आम जनता को उपलब्ध कराने के लिये दिया गया।
- कान्क्लेव में बताया गया कि डिजिटल माध्यम से लोगों को सुविधाओं तक पहुँच आसान होती है। साथ ही इसमें पारदर्शिता भी बढ़ती है। नगरीय निकायों में दी जाने वाली सुविधाओं के लिये डिजिटल माध्यम के उपयोग से नागरिकों को काफी राहत मिलती है। ऐसे में छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री मितान योजना का नवाचार लाखों नगरवासियों के लिये काफी राहत भरी योजना है।
- इससे भागदौड़ भरी ज़िंदगी में रह रही बड़ी नागरिक आबादी को निगम की सुविधाएँ आसानी से उपलब्ध हो जाती हैं।
- उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में नागरिक सेवाओं की गुणवत्तापूर्ण और समय पर डिलीवरी के लिये यह योजना तैयार की गई है। 'मुख्यमंत्री मितान योजना' के माध्यम से अब तक एक लाख बीस हजार सर्टिफिकेट दिये जा चुके हैं।

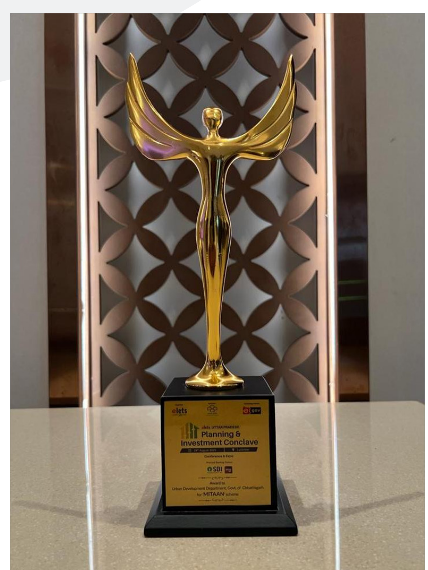

नोट :

- 'मुख्यमंत्री मितान योजना' के माध्यम से नगरीय क्षेत्रों में 25 तरह की सुविधाओं का लाभ लिया जा सकता है। इसमें टोल फ्री नंबर 14545 पर कॉल करना होता है। इसके बाद मितान आपसे संपर्क करते हैं। निर्धारित दिन शेड्यूल कर दिया जाता है। सारे जरूरी प्रमाणपत्र मितान स्कैन कर लेते हैं और निगम कार्यालय जाए बगैर नागरिक का काम आसानी से हो जाता है।
- यह व्यवस्था पहले प्रदेश के 14 नगरीय निकायों में लागू थी, अब सभी नगरपालिकाओं में भी यह व्यवस्था लागू हो गई है।
- 'मुख्यमंत्री मितान योजना'के लागू हो जाने के बाद आय प्रमाण पत्र, जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र, मूल निवासी प्रमाणपत्र, भूमि के रिकॉर्ड की नकल, भूमि सूचना, दुकान और स्थापना पंजीकरण संबंधी दस्तावेज़ जैसी बुनियादी सुविधाएँ बहुत आसानी से मितान के माध्यम से लोगों को प्राप्त हो रही हैं।

'मोर रायपुर ऐप' को मिला नेशनल ई-गवर्नेंस अवॉर्ड

चर्चा में क्यों?

25 अगस्त, 2023 को भारत सरकार के प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग द्वारा ज़िलास्तरीय उत्कृष्ट ई-गवर्नेंस पहल के लिये राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार-2023 'स्वर्ण'रायपुर स्मार्ट सिटी लि. के 'मोर रायपुर ऐप'को प्रदान किया गया।

प्रमुख बिंदु

- आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन संचालित स्मार्ट सिटीज़ मिशन के शहरों के लिये आयोजित 'इंडिया स्मार्ट सिटी अवॉर्ड-2022' की घोषणा भी हुई, जिसमें रायपुर स्मार्ट सिटी लि. द्वारा तैयार किये गए ऑक्सी रीडिंग ज़ोन लाइब्रेरी 'नालंदा परिसर'को बेस्ट इनोवेटिव आइडिया अवॉर्ड मिला है।
- इस प्रतियोगिता के सामाजिक दृष्टिकोण से किये गए उत्कृष्ट कार्य की श्रेणी में शाला उन्नयन कार्यक्रम के तहत बी.पी. पुजारी स्कूल के भवन जीर्णोद्धार व अधोसंरचना निर्माण को राष्ट्रीय स्तर पर स्थान मिला है।
- ई-गवर्नेंस पहल के अंतर्गत 'मोर रायपुर ऐप'की प्रणाली को उत्कृष्ट नवाचार माना गया है। इस ऐप के अंतर्गत डिजिटल डोर नंबर, नगर निगम से संबंधित करों के भुगतान, सेवा व शिकायतों के निवारण की प्रणाली तैयार कर नागरिक सेवाओं को हाईटेक करने की दिशा में की गई पहल को भारत सरकार के प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग द्वारा उत्कृष्ट मानते हुए 'राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार'प्रदान किया गया है।

नोट :

- इसके अलावा घोषित 'इंडिया स्मार्ट सिटी अवॉर्ड-2022' के परिणाम में स्मार्ट सिटी रायपुर के दो महत्त्वपूर्ण प्रोजेक्ट को भी राष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया है।
- इस कॉन्टेस्ट के सामाजिक दृष्टिकोण की श्रेणी में गुजरात के वड़ोदरा व उत्तर प्रदेश के आगरा शहर के प्रोजेक्ट के बाद रायपुर के बी.पी. पुजारी शाला भवन उन्नयन कार्यक्रम को देश में तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है।
- इसके अलावा नवाचारों की श्रेणी में रायपुर स्मार्ट सिटी लि. द्वारा निर्मित नालंदा परिसर को इनोवेशन अवॉर्ड से नवाजा गया है। इस कैटेगरी में हुगली धारवाड़ व सूरत शहर के प्रोजेक्ट को प्रथम व द्वितीय स्थान मिला है।

भारत सरकार
प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग
द्वारा
जिला स्तरीय ई-गवर्नेंस पहल
के लिए
राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार 2023
(स्वर्ण)
रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड
के
एमओआर रायपुर स्मार्ट सिटी ऐप
को प्रदान किया जाता है

Government of India
Department of Administrative Reforms and Public Grievances
is pleased to present
National Award for e-Governance 2023
(Gold)
to
MOR Raipur Smart City App
of
Raipur Smart City Ltd.
for
District Level Initiative in e-Governance

वी.श्रीनिवास / V. Srinivas
सचिव / Secretary

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने किया 'मतदाता महोत्सव प्रदर्शनी, चिह्नारी लोकतंत्र के', का शुभारंभ

चर्चा में क्यों?

25 अगस्त, 2023 को भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने निर्वाचन आयोग के आयुक्त अनूप चंद्र पांडेय और अरुण गोयल के साथ राजधानी रायपुर स्थित बूढ़ापारा तालाब परिसर में 'मतदाता महोत्सव प्रदर्शनी, चिह्नारी लोकतंत्र के' का फीता काटकर शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

- मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने प्रदर्शनी में लगे विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया। प्रदेश के अलग-अलग ज़िलों, विशेषकर आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों से जुड़े ज़िलों द्वारा यहाँ स्टॉल लगाए गए हैं। इन स्टॉलों में अब तक के वर्षों में हुई वोटिंग की झलकियाँ तस्वीरों के माध्यम से और विभिन्न ज़िलों में मतदाता जागरूकता के लिये चलाए गए अभियानों को भी दर्शाया गया है।
- प्रदर्शनी में बिलासपुर, रायपुर, बस्तर, सुकमा, जांजगीर-चांपा, बलरामपुर, कबीरधाम, सारंगढ़, बालोद जैसे ज़िलों द्वारा स्टॉल लगाए गए हैं।
- रायपुर, बिलासपुर, कबीरधाम, सारंगढ़ और बालोद द्वारा लगाए गए स्टॉल में मतदाता जागरूकता अभियान को फोटो प्रदर्शनी के साथ प्रदर्शित किया गया है।
- बिलासपुर ने शत-प्रतिशत मतदान, बिलासपुर का अभियान, लोकतंत्र का आधार कोई वोट न जाए बेकार जैसे नारों को सचित्र प्रदर्शित किया है।
- इसी तरह सारंगढ़ ज़िले के स्टॉल में 'मोर भइया वोट देवइया' के स्लोगन वाली राखी लोगों को लुभा रही है, जबकि बालोद ने भी 'ए दारी मनाबो रक्षा संग मतदान के बंधन', के साथ ज़िले में चलाए जा रहे चुनाव अभियानों को प्रदर्शित किया है।
- यहाँ लगे फोटो प्रदर्शनी के स्टॉल में छत्तीसगढ़ के बस्तर ज़िले के दूरस्थ क्षेत्र विकासखंड ओरछा में 1967 में हुए निर्वाचन की एक तस्वीर लगाई गई है, जिसमें एक वयोवृद्ध महिला अपने मताधिकार का प्रयोग करते हुए मत पर्ची मतदान पेटी पर डालती नज़र आ रही है।
- वहीं आदिवासी बोली प्रदर्शनी के स्टॉल में गोंडी, सदरी, बिरहोर, बैगा, कमारी जैसी बोलियों में चुनाव के नारों का सचित्र प्रदर्शन है, यहाँ स्थानीय हल्बी बोली में मतदाता गीत भी प्रदर्शित है।
- प्रदर्शनी में लगे विभिन्न स्टॉलों में अलग-अलग ज़िलों में चलाए गए चुनाव अभियान को प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया है। इसी तरह नवविवाहित वधु सम्मान समारोह के बृहद् आयोजन पर केंद्रित स्टॉल भी प्रदर्शनी में लगाया गया है। इस अभियान में मतदाता सूची के द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2023 के अंतर्गत ज़िला जांजगीर-चांपा में एक ही दिन ज़िले की सभी बाल विकास परियोजना की 1281 आंगनबाड़ी में 1771 में नवविवाहित वधुओं का सम्मान किया गया।
- ज़िला बलरामपुर द्वारा लगाए गए स्टॉल में यहाँ चलाए गए चुनाव अभियान 'मतवीर' और 'संकल्प वृक्ष' को प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया है, जिसका उद्देश्य युवाओं, महिलाओं, दिव्यांगों, वरिष्ठजनों आदि सभी वर्ग के मतदाताओं की मतदान रुचि को बढ़ाना और उन्हें मतदान का महत्त्व समझाना था।
- रायगढ़ ज़िले द्वारा लगाया गया स्टॉल सतरंगी रायगढ़, विरासत से विकास पर केंद्रित है, जिसमें यहाँ के चुनाव अभियान विरासत का संकल्प, बढ़ते हाथ शपथ के साथ, वृद्धजनों का सम्मान, शुभ कदम स्वागतम, कर्त्तव्य पर बढ़ते चलें जैसे कार्यक्रमों के ज़रिये मतदाता जागरूकता के कार्यों को प्रदर्शित किया गया है। इसमें बिरहोर जनजाति से लेकर रायगढ़ की इंडस्ट्रीज़ तक की झलकियाँ हैं।
- सुकमा ज़िले द्वारा लगाए गए स्टॉल में मतदाता जागरूकता अभियान स्वीप के अंतर्गत चुनाव अभियानों की प्रदर्शनी लगाई गई है, जिनमें अति नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में मतदाता जागरूकता अभियान वोट पंडूम नेवता, मतदाता शपथ कार्यक्रम, मतदाता जागरूकता एवं ईवीएम रथ प्रदर्शन, वाद-विवाद, चित्रकला एवं नारा लेखन प्रतियोगिता, मानव श्रृंखला, नवविवाहित सम्मान कार्यक्रम, मतदाता जागरूकता रैली, रंगोली चित्रकला को प्रदर्शित किया गया है।

मतदाता महोत्सव
2023
मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, छत्तीसगढ़
चिन्हारी

स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेज़ी माध्यम स्कूल के प्राचार्य डॉ. बृजेश पांडेय राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान के लिये चयनित

चर्चा में क्यों?

28 अगस्त, 2023 को छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेज़ी माध्यम स्कूल ब्रम्हपारा, अंबिकापुर के प्राचार्य डॉ. बृजेश पांडेय का चयन राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान-2023 के लिये हुआ है।

प्रमुख बिंदु

- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शिक्षक दिवस के अवसर पर 5 सितंबर को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में प्राचार्य डॉ. पांडेय को राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान से सम्मानित करेंगी।
- राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान के लिये चयनित डॉ. बृजेश पांडेय ने विज्ञान के प्रति अभिरुचि जगाने के साथ बाल वैज्ञानिकों को आगे बढ़ाने में अहम योगदान दिया। उनके दिशा-निर्देशन में कई बाल वैज्ञानिकों का मॉडल राष्ट्रीय स्तर में प्रदर्शित हो चुका है।

नोट :

- डॉ. बृजेश पांडेय वर्ष 2018 में राज्यपाल पुरस्कार से भी सम्मानित हो चुके हैं। प्राथमिक शिक्षा के बच्चों के लिये एक्टिविटी बुक के निर्धारण में उनकी महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है।
- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और स्कूल शिक्षा मंत्री रविंद्र चौबे ने डॉ. बृजेश पांडेय को बधाई देते हुए कहा है कि प्रदेश में बच्चों को अंग्रेज़ी माध्यम की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिये स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेज़ी माध्यम स्कूलों की स्थापना की गई है। डॉ. बृजेश पांडेय का चयन राष्ट्रीय पुरस्कार के लिये होने से अन्य स्कूलों के शिक्षकों एवं प्राचार्यों को प्रेरणा मिलेगी।

कौही लिफ्ट इरीगेशन योजना का मुख्यमंत्री ने किया लोकार्पण, 2500 हेक्टेयर में सिंचाई होगी

चर्चा में क्यों ?

28 अगस्त, 2023 को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने दुर्ग ज़िले के पाटन के कौही में 7 करोड़ रुपए की लागत से बनी कौही लिफ्ट इरीगेशन योजना का लोकार्पण किया। इससे 2500 हेक्टेयर में सिंचाई हो सकेगी।

प्रमुख बिंदु

- कौही उद्वहन सिंचाई योजना से ग्राम कौही, बोरेंदा, जरवाय, केसरा, खम्हरिया, डंगनिया, तर्रीघाट, सोनपुर और सिपकोना के किसानों को सिंचाई का लाभ मिलेगा।
- उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने अपने कौही के पहले दौरे के अवसर पर ही यहाँ की पुरानी उद्वहन सिंचाई योजना को अपडेट करने की घोषणा की थी।
- योजनांतर्गत इंटक वेल का रेडियस, जो पहले 6 मीटर था, इसको 12 मीटर किया गया है। वहीं 150 एच.पी. के पाँच वीटी पंप स्टॉल किये गए हैं, जिससे लिफ्ट इरीगेशन की क्षमता में कई गुणा वृद्धि हुई है।
- संपूर्ण नहर प्रणाली का लाइनिंग कार्य भी किया गया है। कौही उद्वहन सिंचाई योजना की क्षमता बढ़ने से इस क्षेत्र के सैकड़ों किसानों को राहत पहुँची है।

मुख्यमंत्री ने चंपारण में राम वन गमन पर्यटन परिपथ के निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया

चर्चा में क्यों ?

29 अगस्त, 2023 को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने चंपारण के श्री चंपेश्वरनाथ महादेव मंदिर परिसर में आयोजित समारोह में राम वन गमन पर्यटन परिपथ के तहत कराए गए निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया।

प्रमुख बिंदु

- चंपारण में 3 करोड़ 58 लाख रुपए की लागत से प्रभु श्रीराम की प्रतिमा, रामवाटिका, दीप स्तंभ, भव्य प्रवेश द्वार, रामायण इंटरप्रिटेशन सेंटर, कैफेटेरिया, पर्यटन सूचना केंद्र, गजीबो, लैंडस्केपिंग, बाउंड्रीवाल, विद्युतीकरण, प्लंबिंग कार्य, पब्लिक टॉयलेट एवं विभिन्न अधोसंरचना विकास के कार्य कराए गए हैं।
- विदित है कि 7 अक्टूबर, 2021 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ में भगवान श्रीराम के वनवास काल से जुड़े स्थलों को विश्वस्तरीय पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिये प्रारंभ की गई राम वन गमन पर्यटन परिपथ परियोजना के प्रथम चरण का माता कौशल्या की नगरी चंदखुरी में आधिकारिक तौर पर शुभारंभ किया था।
- इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने चंदखुरी में माता कौशल्या मंदिर परिसर के जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण कार्य का लोकार्पण तथा भगवान श्रीराम की 51 फीट ऊँची प्रतिमा का लाईट के माध्यम से अनावरण भी किया था।
- गौरतलब है कि राम के वनवास काल से संबंधित 75 स्थानों को चिह्नित कर उन्हें नए पर्यटन सर्किट के रुप में आपस में जोड़ा जा रहा है। पहले चरण में उत्तर छत्तीसगढ़ में स्थित कोरिया ज़िले से लेकर दक्षिण के सुकमा ज़िले तक 9 स्थानों का सौंदर्यीकरण तथा विकास किया जा रहा है।
- पहले चरण में उत्तर छत्तीसगढ़ में स्थित कोरिया ज़िले के सीतामढ़ी में हरचौका से लेकर दक्षिण के सुकमा ज़िले के रामाराम तक लगभग 2260 किलोमीटर का राम वन गमन पर्यटन परिपथ विकसित किया जा रहा है।
- इस पर्यटन परिपथ के माध्यम से राज्य में न केवल ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि पर्यटन के नए वैश्विक अवसर बढ़ेंगे।
- ये सभी स्थान पहले ही प्राकृतिक दृश्यों से भरपूर हैं। वृक्षारोपण के जरिये अब इन्हें और भी हरा-भरा किया जा रहा है। सभी चयनित पर्यटन-तीर्थों पर सुगंधित फूलों वाली सुंदर वाटिकाएँ भी तैयार की जाएंगी।
- राम वन गमन के पूरे मार्ग पर पीपल, बरगद, आम, हर्रा, बहेड़ा, जामुन, अर्जुन, खम्हार, आँवला, शिशु, करंज, नीम आदि के पौधों का रोपण शामिल हैं। राम वन गमन पथ के माध्यम से दुनियाभर के सामने जैव विविधता का दर्शन भी होगा।
- राम वन गमन पथ के प्रथम चरण के लिये नौ स्थान चिह्नित किये गए हैं। इनमें सीतामढ़ी-हरचौका (कोरिया), रामगढ़ (सरगुजा), शिवरीनारायण (जांजगीर-चांपा), तुरतुरिया (बलौदाबाज़ार), चंदखुरी (रायपुर), राजिम (गरियाबंद), सिहावा सप्तऋषि आश्रम (धमतरी), जगदलपुर (बस्तर) और रामाराम (सुकमा) शामिल हैं।

नोट :

- सीतामढ़ी-हरचौका: यह कोरिया ज़िले में है। राम के वनवास काल का पहला पड़ाव यही माना जाता है। नदी के किनारे स्थित यह स्थित है, जहाँ गुफाओं में 17 कक्ष हैं। इसे सीता की रसोई के नाम से भी जाना जाता है।
- रामगढ़ की पहाड़ी: सरगुजा ज़िले में रामगढ़ की पहाड़ी में तीन कक्षों वाली सीता बेंगरा गुफा है, जिसे देश की सबसे पुरानी नाट्यशाला कहा जाता है। ऐसा माना जाता है कि वनवास काल में राम यहां पहुंचे थे, यह सीता का कमरा था। कालीदास ने मेघदूतम् की रचना यहीं की थी।
- शिवरीनारायण: जांजगीर-चांपा ज़िले के इस स्थान पर रुककर भगवान राम ने शबरी के जूठे बेर खाए थे। यहाँ जोक, महानदी और शिवनाथ नदी का संगम है। यहाँ नर-नारायण और शबरी का मंदिर भी है। मंदिर के पास एक ऐसा वट वृक्ष है, जिसके पत्ते दोने के आकार में हैं।
- तुरतुरिया: बलौदाबाज़ार-भाटापारा ज़िले के इस स्थान को लेकर जनश्रुति है कि महर्षि वाल्मीकि का आश्रम यहीं था। तुरतुरिया ही लव-कुश की जन्मस्थली थी। बलभद्री नाले का पानी चट्टानों के बीच से निकलता है, इसलिये तुरतुर की ध्वनि निकलती है, जिससे तुरतुरिया नाम पड़ा।
- चंदखुरी: रायपुर ज़िले के 126 तालाब वाले इस गाँव में जलसेन तालाब के बीच में भगवान राम की माता कौशल्या का मंदिर है। कौशल्या माता का दुनिया में यह एकमात्र मंदिर है। चंदखुरी को माता कौशल्या की जन्मस्थली कहा जाता है, इसलिये यह राम का ननिहाल कहलाता है।
- राजिम: यह गरियाबंद ज़िले में है। इसे छत्तीसगढ़ का प्रयाग कहा जाता है, जहाँ सोंढुर, पैरी और महानदी का संगम है। कहा जाता है कि वनवास काल में राम ने इस स्थान पर अपने कुलदेवता महादेव की पूजा की थी, इसलिये यहाँ कुलेश्वर महाराज का मंदिर है। यहाँ मेला भी लगता है।
- सिहावा: धमतरी ज़िले के सिहावा की विभिन्न पहाड़ियों में मुचकुंद आश्रम, अगस्त्य आश्रम, अंगिरा आश्रम, श्रृंगि ऋषि, कंकर ऋषि आश्रम, शरभंग ऋषि आश्रम एवं गौतम ऋषि आश्रम आदि ऋषियों के आश्रम हैं। राम ने दंडकारण्य के आश्रम में ऋषियों से भेंट कर कुछ समय व्यतीत किया था।
- जगदलपुर: यह बस्तर ज़िले का मुख्यालय है, जो चारों ओर वन से घिरा हुआ है। कहा जाता है कि वनवास काल में राम जगदलपुर क्षेत्र से गुज़रे थे, क्योंकि यहाँ से चित्रकोट का रास्ता जाता है। जगदलपुर को पांडुओं के वंशज काकतीय राजा ने अपनी अंतिम राजधानी बनाई थी।
- दूसरे चरण में इन स्थानों का होगा विकास-
- कोरिया: सीतामढ़ी घाघरा, कोटाडोल, सीमामढ़ी छतौड़ा (सिद्ध बाबा आश्रम), देवसील, रामगढ़ (सोनहट), अमृतधारा
- सरगुजा: देवगढ़, महेशपुर, बंदरकोट (अंबिकापुर से दरिमा मार्ग), मैनपाट, मंगरेलगढ़, पंपापुर
- जशपुर: किलकिला (बिलद्वार गुफा), सारासोर, रक्सगंडा
- जांजगीर-चांपा: चंद्रपुर, खरौद, जांजगीर
- बिलासपुर: मल्हार
- बलौदाबाज़ार-भाटापारा: धमनी, पलारी, नारायणपुर (कसडोल)
- महासमुंद: सिरपुर
- रायपुर: आरंग, चंपारण्य
- गरियाबंद: फिंगेश्वर
- धमतरी: मधुबन (राकाडीह), अतरमरा (अतरपुर), सीतानदी
- कांकेर: कांकेर (कंक ऋषि आश्रम)
- कोंडागाँव: गढ़धनोरा (केशकाल), जटायुशीला (फरसगाँव)
- नारायणपुर: नारायणपुर (रक्सा डोंगरी), छोटे डोंगर
- दंतेवाड़ा: बारसूर, दंतेवाड़ा, गीदम
- बस्तर: चित्रकोट, नारायणपाल, तीरथगढ़
- सुकमा: रामाराम, इंजरम, कोंटा

नोट :

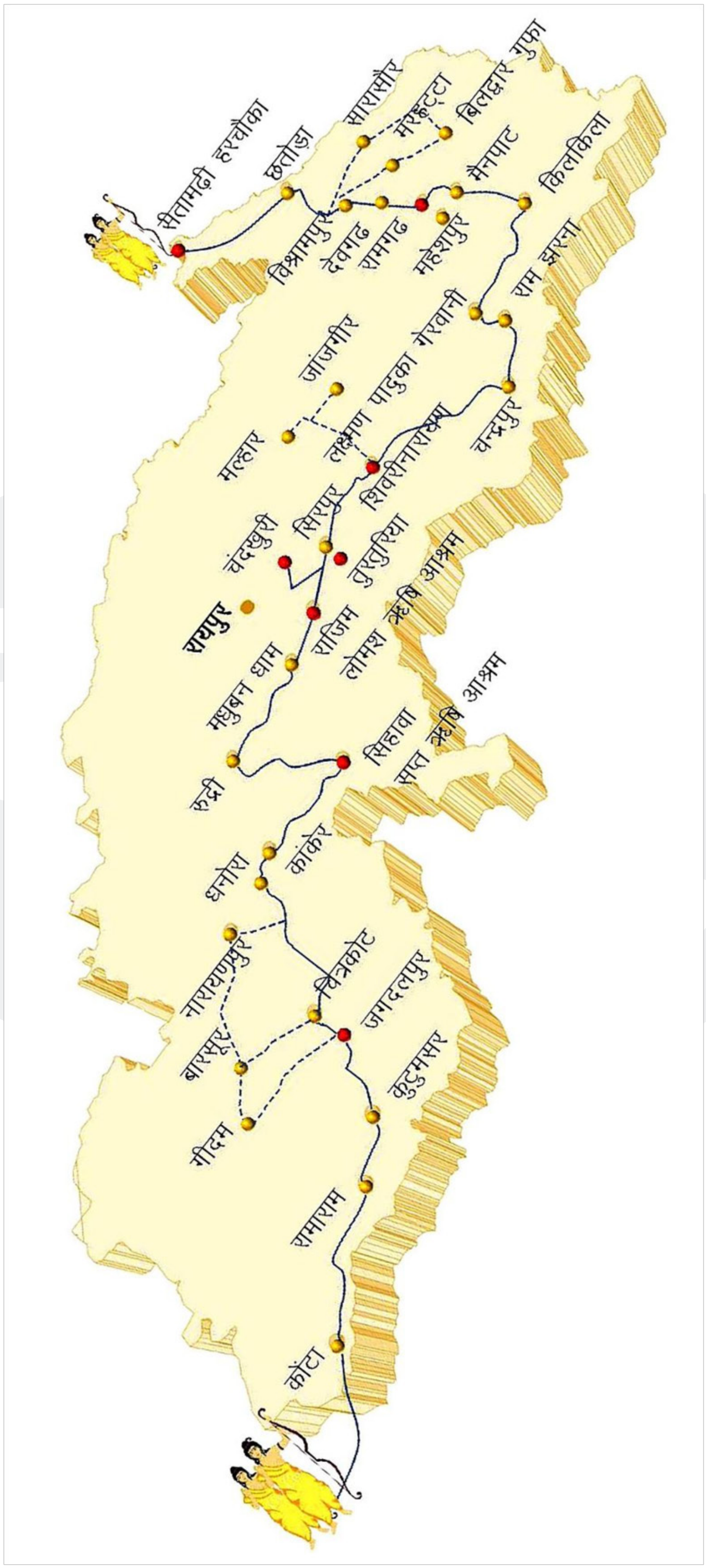
सीतामढ़ी हरचौका
छतौड़ा
सारासौर
मरहट्टा
बिलद्वार गुफा
विश्रामपुर
देवगढ़
रामगढ़
महेशपुर
मैनपाट
किलकिला
राम झरना
जांजगीर
लक्ष्मण पादुका गरवानी
मल्हार
शिवरीनारायण
चन्द्रपुर
चंदखुरी
सिरपुर
तुरतुरिया
रायपुर
राजिम
लोमश ऋषि आश्रम
मधुबन धाम
सिहावा
सप्त ऋषि आश्रम
रुद्री
धमतरी
कांकेर
नारायणपुर
चित्रकोट
जगदलपुर
बारसूर
कुटुमसर
गीदम
रामाराम
कोंटा

नोट :

26वीं अखिल भारतीय वन खेलकूद प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के समस्त विजेता खिलाड़ियों को वन मंत्री ने किया पुरस्कृत

चर्चा में क्यों ?

29 अगस्त, 2023 को छत्तीसगढ़ के वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री मोहम्मद अकबर ने 26वीं अखिल भारतीय वन खेलकूद प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के समस्त विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया।

प्रमुख बिंदु

- गौरतलब है कि 10 से 14 मार्च तक हरियाणा के पंचकूला के सेक्टर-3 में स्थित ताऊ देवी लाल स्टेडियम, गोल्फ क्लब तथा सेक्टर-6 के जिमखाना क्लब, पंजाब विश्वविद्यालय के खेलकूद मैदान में और राजकीय महाविद्यालय सेक्टर-1 पंचकूला में 26वीं अखिल भारतीय वन खेल-कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था।
- इस प्रतियोगिता में वन विभाग के उच्चतम अधिकारी पीसीसीएफ से लेकर गार्ड तक खेल स्पर्धाओं में भाग लेते हैं।
- पाँच दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में टेनिस, टेबल टेनिस, बैडमिंटन, तैराकी, कैरम, चेस, वेटलिफ्टिंग, पावर लिफ्टिंग, कबड्डी, जैसे- इंडोर गेम के साथ-साथ क्रिकेट, फुटबॉल, बॉस्केट बॉल, हॉकी, गोल्फ, एथलेटिक्स के विभिन्न इवेंट होते हैं।
- पंचकूला के सेक्टर-3 में स्थित ताऊ देवी लाल स्टेडियम में सभी प्रकार की दौड़ें, पैदल चाल, बाधादौड़, चक्का फेंक, भाला फेंक, हैमर थ्रो लंबी कूद, ऊँची कूद, गोला फेंक, ट्रिपल जंप, इनडोर गेम्स जैसे कि बैडमिंटन, कैरम, टेबल टेनिस, चेस, बास्केटबॉल, क्रिकेट, हॉकी, कबड्डी, वालीबॉल एवं रस्साकसी आयोजित हुई।
- इसके अलावा, गोल्फ क्लब, सेक्टर-3 पंचकूला में गोल्फ तथा जिमखाना क्लब, सेक्टर-6 में लॉन टेनिस ब्रिज, स्नूकर, बिलियर्ड और स्क्वैश प्रतियोगिताएँ भी हुईं। तीरंदाजी पंजाब विश्वविद्यालय के खेलकूद मैदान में, शूटिंग प्रतियोगिता शूटिंग रेंज चंडीगढ़ में तथा भारोत्तोलन प्रतियोगिता राजकीय महाविद्यालय सेक्टर-1 पंचकूला में आयोजित हुई।
- पंचकूला में संपन्न हुई 26वीं अखिल भारतीय वन खेलकूद प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ 12वीं बार ओवर ऑल चैंपियन बना। छत्तीसगढ़ ने कुल 129 मेडल जीतकर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कर्नाटक को पछाड़ते हुए पुन: अपना प्रथम स्थान कायम रखा।

नोट :

- छत्तीसगढ़ के वन विभाग टीम ने क्रिकेट में जम्मू-कश्मीर को हराकर सातवीं बार गोल्ड मेडल प्राप्त किया। इसी तरह फुटबॉल में हरियाणा की टीम को हराकर छत्तीसगढ़ ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। छत्तीसगढ़ की बॉस्केट बॉल टीम ने कर्नाटक की टीम को हराकर गोल्ड मेडल हासिल किया।
- वेटलिफ्टिंग, पावरलिफ्टिंग में कुल 19 स्वर्ण, टेनिस में 12 स्वर्ण, बैडमिंटन में 04 स्वर्ण, तैराकी में 06 स्वर्ण, एथलेटिक्स में 18 स्वर्ण, 10 रजत, 08 कांस्य पदक जीते हैं। इसी प्रकार टेनिस में 09 स्वर्ण और 02 रजत पदक प्राप्तकिया है।
- इस तरह इस वर्ष की 26वीं अखिल भारतीय वन खेलकूद प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ ने कुल 129 मेडल जीतकर कुल 509 अंक प्राप्त किये और अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कर्नाटक को कड़ी प्रतिस्पर्धा में पछाड़ते हुए पुन: अपना प्रथम स्थान कायम रखा।
- उल्लेखनीय है कि पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार प्रतिवर्ष अखिल भारतीय वन खेल-कूद प्रतियोगिता करवाता है, जिसका ज़िम्मा प्रति वर्ष किसी राज्य को सौंपा जाता है। इस बार 26वीं वन खेल-कूद प्रतियोगिता के आयोजन का ज़िम्मा हरियाणा वन विभाग को दिया गया था।
- वन एवं पर्यावरण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वर्ष 1993 में वन विभाग में खेलों के समुचित प्रोत्साहन के लिये वार्षिक अखिल भारतीय वन खेलकूद प्रतियोगिता का आरंभ किया गया था, जिसका प्रथम आयोजन हैदराबाद में किया गया। तब से अब तक कुल 26 बार प्रतियोगिता का आयोजन किया जा चुका है।

नोट :

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय को मिला 'राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार, 2023' (स्वर्ण)

चर्चा में क्यों?

30 अगस्त, 2023 को छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय को किसानों के लिये आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित 'क्रॉप डॉक्टर 2.0 ऐप' विकसित करने हेतु राष्ट्रीय स्तर पर 'राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार, 2023' 'स्वर्ण' से सम्मानित किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय को भारत सरकार के प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग द्वारा अकादमिक अनुसंधान द्वारा नागरिक केंद्रित सेवाओं पर उत्कृष्ट शोध के लिये इस सम्मान हेतु चुना गया है।
- केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने इंदौर में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में पुरस्कारस्वरूप स्वर्ण ट्रॉफी, प्रशस्ति-पत्र एवं 10 लाख रुपए का चेक प्रदान कर सम्मानित किया।
- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय स्तर पर 'राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार, 2023' 'स्वर्ण' से सम्मानित होने पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल और विश्वविद्यालय की टीम को बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं।
- एआई आधारित इस ऐप के माध्यम से 36 प्रकार की फसलों के रोगों की पहचान, हानिकारक कीटों की पहचान करने, मौसम की जानकारी, कृषि यंत्रो को किराए पर देने और किसानों को ऑनलाइन मार्केटिंग प्लेटफॉर्म की सुविधा आसानी से उपलब्ध होगी।
- एआई का उपयोग करने से इस ऐप के माध्यम से किसानों को खेती-किसानी के लिये सटीक जानकारी मिल सकेगी, जिससे प्रदेश में 'स्मार्ट कृषि' को बढ़ावा मिल सकेगा। इस ऐप से प्रदेश के 8 लाख किसान जुड़े हैं और इसका लाभ खेती-किसानी में ले रहे हैं।
- 'क्रॉप डॉक्टर 2.0 मोबाइल एप्लीकेशन इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा एनआईसी रायपुर के सहयोग से विकसित किया गया है। इस एप्लीकेशन के माध्यम से कृषि में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के प्रयोग से उन्नत एवं परिवर्तनकारी स्मार्ट खेती को प्रोत्साहित करने के लिये भारत सरकार द्वारा प्रदान किया गया।

नोट :

The Vision

नोट :